www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
28 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 88 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

धनुष भी थलपति विजय की तरह राजनीति में लेंगे एंट्री!

● इवेंट में भाषण के दौरान 'जनता की भलाई' का किया इशारा

चेन्नई (एजेंसी)। साउथ के स्टार एक्टर-डायरेक्टर धनुष ने एक बार फिर राजनीति में आने की अटकलों को हवा दी है। उन्होंने अपने फैन्स से कहा कि वे सिर्फ फिल्मों से जुड़े जश्न तक ही सीमित न रहें, बल्कि अपनी एकता का इस्तेमाल जनसेवा के लिए करें। फैन्स के आयोजित एक ब्लड डोनेशन कैंप में कही

गई उनकी ये बातें वायरल हो गईं। इसके बाद कई लोग सोचने लगे कि क्या वह भी थलपति विजय के नक्शेकदम पर चल रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में राजनीति में कदम रखा और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। इस इवेंट में अपने फैन्स से बात करते हुए धनुष ने एकता की ताकत के बारे में बताया और उनसे अपील की कि वे जरूरतमंद लोगों की मदद करके समाज में बदलाव लाएं। उन्होंने कहा, इतने सारे लोग एक जगह जमा हुए हैं। इस तरह की एकता में बहुत ताकत होती है। हमें इस एकता को एक मकसद देना होगा।

एक और सुसाइड, अब महाराष्ट्र की नीट छात्रा ने दी अपनी जान

● जंतर-मंतर में सीजेपी आंदोलन के बाद आया पहला केस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अंकिता ने लिखा कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं

मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। परिवार के मुताबिक घटना से पहले छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली। नीट एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद सुसाइड का यह पहला मामला है। नीट मुद्दे पर अब तक 23 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं। अंकिता ने सुसाइड नोट में लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 मार्क्स मिले, जबकि कटऑफ 177 था। मेरे इस कदम के लिए माता-पिता और भाई को जिम्मेदार न माने।

'शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही' बन सकते हैं प्राथमिकता

सीजेपी प्रोटेस्ट का दिल्ली की राजनीति पर होगा व्यापक असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर शुरू हुआ युवाओं का आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद भले ही खत्म हो गया हो लेकिन इसका असर सिर्फ शिक्षा व्यवस्था तक सीमित रहने की संभावना नहीं है। जिस तरह दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर के युवाओं ने इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, उसके बाद माना जा

रहा है कि इसका दूरगामी असर दिल्ली की राजनीति पर भी देखने को मिलेगा। खासकर शिक्षा, रोजगार, शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे मुद्दे अब राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं में शामिल हो सकते हैं।

युवा वोटर्स को देखते हुए बदलनी पड़ सकती है चुनावी रणनीति- इसकी एक बड़ी वजह दिल्ली में युवाओं की मजबूत चुनावी हिस्सेदारी भी है। चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली की वोटर लिस्ट में 18 से 29 साल के वोटर्स की हिस्सेदारी करीब 19 फीसदी है। इनमें 18 से 25 साल के युवाओं की संख्या लगभग 12 से 15 लाख के बीच है। यही वर्ग चुनावों में बढ़-चढ़कर वोट भी करता है।

ब्रेन डेड आर्टिस्ट की किडनियां और लिवर इंदौर में ट्रांसप्लांट, आई बैंक को दीं आंखें

अहमदाबाद के युवक के सीने में धड़केगा गौरव का दिल

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में खजूरी बाजार निवासी सतीश दवे और कविता दवे के 25 वर्षीय बेटे गौरव को 13 जुलाई को अचानक ब्रेन हेमरेज हुआ। उन्हें राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने इलाज किया, लेकिन गौरव की हालत नहीं सुधरी। निर्धारित प्रक्रिया के तहत दो बार मेडिकल चेकअप के बाद स्पेशलिस्ट टीम ने गौरव को रविवार रात ब्रेन डेड घोषित कर दिया। जवान बेटे को खोने के दर्द के बीच ही दवे परिवार ने ऐसा फैसला लिया, जिसने कई लोगों की जिंदगी में नई उम्मीद जगा दी। परिवार की सहमति से गौरव का हार्ट, लिवर, किडनियां और आंखें दान की गई हैं। इसके लिए सोमवार को इंदौर में 68वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। परिवार के इकलौते बेटे गौरव फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग डायरेक्टर का काम करते थे। वे एक्टर भी बनना चाहते थे। पिता सतीश दवे सरकारी नौकरी से रिटायर्ड हैं। मां गृहिणी हैं। छोटी बहन वैदेही की शादी हो चुकी है।

बहन, बहनोई और भाई ने की बातचीत; माता-पिता ने रजामंदी दी

ब्रेन डेथ की पुष्टि होने के बाद गौरव की बहन वैदेही राठी, बहनोई पल्केश राठी और भाई रितिक चावरे ने माता-पिता को संभाला। उनसे गौरव के अंग दान करने को लेकर बातचीत की। माता-पिता ने इसके लिए सहमति दे दी। अंगदान की प्रक्रिया में मुस्कान पारमार्थिक ट्रस्ट के सेवादार जीतू बगानी, संदीपन आर्य और लकी खत्री ने दवे परिवार का सहयोग किया। आर्य ने बताया कि डॉक्टरों ने परिवार को ब्रेन डेथ और अंगदान के बारे में समझाया।

लिवर-किडनी, आंखें इंदौर में प्रत्यारोपित; हार्ट अहमदाबाद भेजा

सोमवार सुबह गौरव का लिवर राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती 42 वर्षीय मरीज को प्रत्यारोपित किया गया। हार्ट ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से अहमदाबाद स्थित यूएन मेहता हॉस्पिटल भेजा गया, जहां 28 वर्षीय युवक को लगाया जाएगा। उनकी दोनों किडनियां चोइथराम हॉस्पिटल में भर्ती 22 और 52 वर्ष की दो महिला मरीजों को प्रत्यारोपित की गईं जबकि आंखें शंकरा आई बैंक के माध्यम से दान की गईं।

विश्व में अब तक 8 ही लोगों को हुई ये बीमारी

महक ने कहा- गौरव को बचपन से ही ब्रेन की बीमारी मोया-मोया थी, जो विश्व में अब तक सिर्फ 8 और भारत में तीन ही लोगों को हुई है। उन्हें 13 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां दो दिन बाद ब्रेन सर्जरी की गई, दो स्टेंट डाले गए थे। इसके बाद गौरव को आईसीयू से वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। लेकिन अगले दिन ही फिर उनकी हालत बिगड़ी तो उन्हें वेंटिलेटर पर लिया गया। इसके बाद वे होश में नहीं आए। वहीं, मुस्कान पारमार्थिक ट्रस्ट के संदीपन आर्य ने कहा- दवे परिवार ने अपने व्यक्तिगत दुख से ऊपर उठकर जो निर्णय लिया, वह समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन

पुलिस की बर्बरता सही नहीं

● सुप्रीम कोर्ट बोला-आंदोलन एक संवैधानिक अधिकार है

कहा-प्रोटोकॉल तय हो, पुलिस से मारपीट भी चिंताजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है और सरकार से इस पर जवाब मांगा

जा सकता है। अब कोर्ट मंगलवार को इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि नीट पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च से जुड़ी हैं। पुलिस-रैपिड ऐक्शन फोर्स ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले छोड़े, पथराव भी हुआ। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी घायल हुए।

संसद मार्च में हुआ था लाठीचार्ज, 100 से ज्यादा घायल थे

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक चले प्रदर्शन में कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, संसद की ओर मार्च किया। ये लोग जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक से संसद के करीब पहुंच गए थे। इन लोगों ने संसद में घुसने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। हालांकि पुलिस ने शाम 5 बजे तक जंतर-मंतर को खाली करा लिया।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में मेरा कोई रोल नहीं: गडकरी

● सड़क और परिवहन मंत्री बोले-यह पेट्रोलियम मंत्रालय से जुड़ा ● डीपफेक वीडियो पर मेटा-एक्स पर केस करेंगे, कोर्ट की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर एक याचिका में कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में उनका कोई रोल नहीं है। ये दोनों प्रोजेक्ट पूरी तरह से केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हैं। दरअसल मेटा

प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल पर एथेनॉल मामले में गडकरी के कई सारे एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो वायरल हो रहे हैं। गडकरी ने याचिका में कहा है कि इन वीडियो में उन्हें एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम और ई-20 पहल से गलत तरीके से जोड़ा गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को डिजिटल कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है। अब गडकरी मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल कंपनी के खिलाफ सिविल सुट दायर कर सकते हैं। भारत में 20 फीसदी एथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के इस मिश्रण (ई 20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं।

● **सरकारी मंत्रालयों को भी बनाया गया प्रतिवादी**- इस मामले में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा दूरसंचार मंत्रालय को भी प्रतिवादी बनाया गया है। गडकरी ने स्पष्ट किया है कि इस मुकदमे का उद्देश्य सार्वजनिक चर्चा या सरकारी नीतियों की आलोचना को रोकना नहीं है। याचिका में कहा गया है कि इसका मकसद जनता को किसी भी सरकारी फैसले पर निष्पक्ष बहस या आलोचना से रोकना नहीं है। गडकरी का तर्क है कि सोशल मीडिया पर मौजूद कंटेंट पूरी तरह से झूठा, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण है। याचिका के मुताबिक, अज्ञात लोगों ने एआई वीडियो के जरिए यह गलत धारणा फैलाई कि गडकरी और उनका परिवार ईबीपी और ई20 पहल से लाभ कमा रहा है।

पहाड़ से मैदान तक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

चार जिलों में बंद रहेंगे स्कूल

देहरादून। उत्तराखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से राज्य के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान जारी किया है। वहीं, कुछ जिलों के लिए भारी से भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया है। प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और नैनीताल जिले के कुछ क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने की संभावना है। इसके अलावा राज्य के अन्य जिलों में भी कहीं-कहीं तेज दौर की बारिश होने के आसार हैं।

मौसम वैज्ञानिकों ने हिदायत देते हुए कहा कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और नदी-नालों के किनारे जाने से परहेज करें। खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और मौसम संबंधी अपडेट पर नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है। आने वाले दिनों की बात करें तो दो अगस्त तक प्रदेश भर में मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही रहेगा।

प्रधान बोले-स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं

● संसद पहुंचने पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था-ऐसा होता रहता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुंचे। संसद परिसर में प्रधान के पहुंचते ही

भाजपा और एनडीए सांसदों की भीड़ उनका स्वागत करने पहुंची। विपक्षी सांसदों ने भी उनसे मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक विपक्षी सांसद ने तंज कसा कि यह पहली बार है, जब किसी मंत्री ने आरोप का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भी कहा- ऐसा होता रहता है। इस पर धर्मेंद्र प्रधान ने जवाब दिया, मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी कमरों में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं। प्रधान ने 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

एंटी पेपर लीक संशोधन बिल लोकसभा में पेश

पेपर लीक किया तो अब होगी 10 साल की जेल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लोकसभा में एंटी पेपर लीक संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया है। इसका मकसद पेपर लीक, संगठित नकल और परीक्षा में होने वाली धांधली पर पहले से कहीं ज्यादा सख्ती करना है। प्रस्तावित कानून के तहत संगठित पेपर लीक के मामलों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। साथ ही जांच और सुनवाई को भी तय समय में पूरा करने का प्रावधान किया गया है। जब देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक को लेकर छात्रों का भारी विरोध प्रदर्शन हुआ, यही कारण है कि यह बिल लाया गया। सरकार का कहना है कि ईमानदारी से तैयारी करने वाले छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए कानून को और मजबूत बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सख्त कार्रवाई, तेज जांच और फास्ट ट्रैक कोर्ट का भरोसा जता चुके हैं। इसके साथ ही एनटीए में तकनीकी सुधारों के सुझाव देने के लिए नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स भी बनाई गई है।

पेपर लीक पर अब 10 साल तक की जेल- सबसे बड़ा बदलाव सजा में किया गया है। संगठित तरीके से पेपर लीक कराने या नकल गिरोह चलाने वालों को अब अधिकतम 10 साल तक की जेल हो सकती है। पहले यह सजा 5 साल तक थी। सरकार का मानना है कि ऐसे मामलों के पीछे संगठित गिरोह काम करते हैं, इसलिए कड़ी सजा जरूरी है।

जुर्माना बढ़कर 10 करोड़ रुपए तक- बिल में आर्थिक सजा भी काफी बढ़ाई गई है। अब दोषियों पर अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। इसके अलावा यदि पेपर लीक के कारण परीक्षा दोबारा करानी पड़े, तो उसका खर्च भी दोषियों से वसूला जा सकेगा। अब केवल प्रश्नपत्र लीक ही नहीं, बल्कि एआई की मदद से नकल, परीक्षा प्रणाली की हैकिंग सब शामिल होंगे।

केवल छात्र नहीं, एजेंसियां भी होंगी जिम्मेदार

यदि परीक्षा कराने वाली एजेंसी, सर्विस प्रोवाइडर, तकनीकी कंपनी या कोई अधिकारी लापरवाही या मिलीभगत का दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। इससे पूरी परीक्षा व्यवस्था की जवाबदेही तय होगी। बिल में जांच एजेंसियों को ज्यादा अधिकार देने, केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाने और फास्ट ट्रैक अदालतों में मामलों की जल्द सुनवाई का प्रावधान किया गया है। सरकार का मकसद है कि पेपर लीक के मामलों का जल्दी निपटारा हो और दोषियों को समय पर सजा मिले। 2024 में बने कानून में बदलाव होंगे, सजा-जुर्माना दोनों बढ़ेंगे राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का अधिकार मिलेगा, जहां मामलों की रोजाना सुनवाई होगी। यह कानून केंद्र सरकार और उसकी एजेंसियों द्वारा आयोजित सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होगा। इनमें रेलवे भर्ती, बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं और अन्य केंद्रीय भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाएं शामिल हैं। सरकार ने यह संशोधन नीट पेपर लीक विवाद और देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के बाद लाया है। पीएम मोदी ने 23 जुलाई को कानून को और सख्त बनाने का ऐलान किया था। बाद में इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधार के लिए हाई-पावर्ड टास्क फोर्स बनाने की भी घोषणा की गई।

भारत को विश्वगुरु बनाने में युवाओं की होगी अहम भूमिका : धामी

मुख्यमंत्री ने किया आनंद स्वरूप आर्य सरस्वती विद्या मंदिर शिशु वाटिका का लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान, उत्तराखंड द्वारा रुड़की में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आनंद स्वरूप आर्य सरस्वती विद्या मंदिर शिशु वाटिका का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार तीसरे वर्ष प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की उत्कृष्ट सफलता यह सिद्ध करती है कि परिश्रम, अनुशासन और संस्कार के बल पर हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सम्मान उनके आत्मविश्वास को नई ऊर्जा देगा और भविष्य की सभी परीक्षाओं एवं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा। कहा कि विद्या भारती ने सनातन संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और भारतीय जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा देकर देशभर में शिक्षा और संस्कार की मजबूत नींव रखी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1952 में गोरखपुर से प्रारंभ हुआ सरस्वती शिशु मंदिर आज एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है। वर्तमान में विद्या भारती देशभर में करीब 45 लाख विद्यार्थियों को शिक्षा एवं संस्कार प्रदान कर रही है। विद्या भारती के उत्तराखंड में 562 विद्यालयों में लगभग सवा लाख विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे भारत के वर्तमान और भविष्य हैं। उनके ज्ञान, संस्कार, राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व क्षमता के बल पर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकेगा और भारत पुनः विश्वगुरु के रूप में स्थापित होगा।

टिहरी मेडिकल कॉलेज पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई टिहरी। जिला मुख्यालय नई टिहरी में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को दूसरी जगह बनाए जाने की चर्चा के बीच कांग्रेस ने प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस ने सरकार से टिहरी मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति, प्रस्तावित स्थल और भूमि की स्थिति को लेकर आठ सवाल पूछे है। सरकार पर टिहरी में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज चोरी करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट, जिलाध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल ने पत्रकार वार्ता में कहा कि सरकार टिहरी की जनता के सामने मेडिकल कॉलेज को लेकर स्थिति स्पष्ट करे और संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक करे। कहा कि टिहरी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की पहल कांग्रेस ने वर्ष 2011 में शुरू की थी। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव के कांग्रेस के घोषणा पत्र में भी टिहरी में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का उल्लेख किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार बनने के बाद मेडिकल कॉलेज की योजना को आगे बढ़ाने के बजाय अब इसे दूसरी जगह ले जाने की कोशिश की जा रही है। इससे टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय की भूमिका पर भी सवाल खड़े होते हैं।

एक शिक्षक पर 72 छात्रों की पढ़ाई की जिम्मेदारी

घनसाली। देश की रक्षा के लिए 38 जवान देने वाले समण गांव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा व्यवस्था महज एक शिक्षक के भरोसे चल रही है। विद्यालय में कक्षा छह से आठ तक 72 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं।

ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि विद्यालय में पढ़ाई किस तरह संचालित हो रही होगी। भिलंगना ब्लॉक के समण गांव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने वाले कई युवा सेना के अलावा विभिन्न सरकारी विभागों में अधिकारी और कर्मचारी के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में विद्यालय का एक शिक्षक के भरोसे संचालित होना अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

ग्राम प्रधान कृष्णा देवी ने बताया कि समण गांव की आबादी करीब दो हजार है। प्राथमिक विद्यालय में 92 छात्र–छात्राएं पढ़ रहे हैं और 300 बच्चे राजकीय इंटर कॉलेज धोपड़धार में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

एक नजर

धाम में मौसम खुलने से बढ़ी रौनक, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

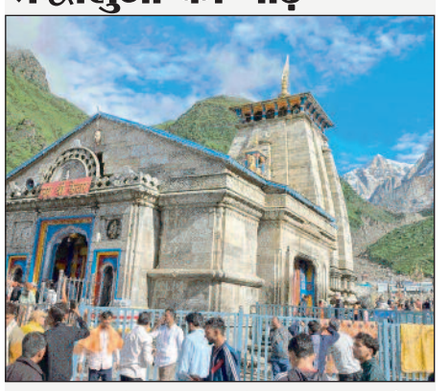

देहरादून। केदारनाथ धाम में सोमवार सुबह मौसम साफ होने से धाम में रौनक बढ़ गई। हल्की धूप खिलने से श्रद्धालुओं को राहत मिली। मौसम खुलने के साथ ही बाबा केदार के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही जारी है। वहीं जनपद के निचले क्षेत्रों में रुक–रुककर हल्की बारिश हो रही है। रविवार को कुल 682 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। इसके साथ ही यात्रा शुरू होने से अब तक 14,16,022 श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं। इधर, जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग के अलावा जखोली, अगस्त्यमुनि और ऊखीमठ क्षेत्र में सुबह से हल्की बारिश हो रही है।

सीएम की घोषणाओं की विभागीय स्तर हर सप्ताह होगी समीक्षा

देहरादून। मुख्यमंत्री की घोषणाओं को समय पर पूरा करने के लिए विभागीय स्तर पर हर सप्ताह समीक्षा होगी। इसके अलावा विभागों में सचिव स्तर पर प्रत्येक 15 दिन में काम की समीक्षा की जाएगी। विभागों में नोडल अधिकारी नामित किए जाएंगे।

सोमवार को सचिवालय में प्रमुख सचिव वित्त आरके सुधांशु की अध्यक्षता में चंपावत विधानसभा क्षेत्र की सीएम घोषणाओं की समीक्षा की गई। वर्ष 2021 से वर्षवार विभागीय लंबित घोषणाओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारी, सीएम घोषणाओं को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर उन्हें पूर्ण करें। चंपावत जिले के तहत गोलू देवता, घोड़ाखाल व चितई को मिलाकर एक विशेष गोल्ज्यू कॉरिडोर बनाने की घोषणा के संबंध में अवगत कराया गया कि व्यय वित्त समिति की संस्तुति व सीएम का अनुमोदन प्राप्त कर लिया है। इस पर प्रमख सचिव ने पत्रावली वित्त विभाग को भेजने के निर्देश दिए।

300 बच्चों की पढ़ाई पर मंडरा रहा खतरा

देहरादून। डालनवाला क्षेत्र की सूरज बस्ती के लोगों की पीड़ा इस समय उनके बच्चों की छूटती शिक्षा है। करीब 38 साल पहले रखी गई शिक्षा के मंदिर की बुनियाद को अब सिस्टम खोदने में लगा हुआ है। लोगों का कहना है कि विद्यालय में पढ़ रहे 300 से ज्यादा बच्चों का भविष्य विद्यालय के टूटने से खतरे में आ जाएगा। इसके अलावा बस्ती की अच्छी खासी सड़क को तोड़ा जा रहा है इससे लोगों को परेशानी हो रही है। इसके अलावा भी बस्ती की कई समस्याएं हैं।

जलभराव, पेयजल संकट और शौचालय। यहां मात्र एक शौचालय बना था। उसको भी नगर निगम ने ध्वस्त कर दिया। लोगों का कहना है इन सरकारी भवनों को तोड़ने के पीछे फ्लड प्लेन जोन का बहाना बनाया जा रहा है यदि ऐसा था तो शौचालय, सामुदायिक भवन और सरकारी विद्यालयों को पहले सरकार ने यहां क्यों बनाया और लाखों रुपये खर्च करने के बाद अब उनको क्यों तोड़ा जा रहा है।

मोबाइल की दुकान में घुसे पंजाब के दो पर्यटक रंगेहाथ गिरफ्तार

मसूरी। ऑपरेशन प्रहार के तहत मसूरी पुलिस ने मॉल रोड स्थित एक मोबाइल दुकान में चोरी करते दो युवकों को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए नौ मोबाइल फोन, चार्जर, एडाप्टर, डाटा केबल समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दुकान का ताला तोड़ने में प्रयुक्त हथौड़ा बरामद किया है। घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को भी सीज कर दिया गया है।

एसएसआई सतेंद्र भाटी ने बताया कि एसएसपी देहरादून के निर्देश पर जिलेभर में अपराधियों के खिलाफ सघन चेकिंग और रात्रि गश्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार तड़के कोतवाली मसूरी पुलिस की टीम गश्त पर थी। इस दौरान मॉल रोड स्थित मस्जिद वाली गली में स्टार मोबाइल दुकान के आसपास संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दीं। पुलिस टीम ने तत्काल सतर्कता दिखाते हुए दुकान की घेराबंदी की और अंदर प्रवेश किया, जहां दो युवक दुकान से मोबाइल और अन्य सामान चोरी करते हुए रंगेहाथ पकड़ लिए गए। पुलिस ने मौके से विभिन्न कंपनियों के नए, पुराने और मरम्मत के लिए आए कुल नौ मोबाइल फोन, मोबाइल संबंधी अन्य उपकरण, ताला तोड़ने में प्रयुक्त हथौड़ा तथा घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की।

मोटरसाइकिल के पहिये में दुपट्टा फंसने से गिरी महिला की गई जान

हल्द्वानी। बेटे के साथ बाइक से घर जा रही महिला का दुपट्टा पहिये में फंस गया। इससे महिला सिर के बल सड़क पर जा गिरी। सिर पर पत्थर लगने से सड़क पर खून बहता रहा। उसे सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया।

ऊधमसिंह नगर के किच्छा नगरपालिका के वार्ड–पांच निवासी 50 वर्षीय रमा पत्नी स्व.सुरेश शनिवार की दोपहर अपने बेटे के साथ बाइक से मंदिर से दर्शन कर लौट रही थी। पुलभट्टा के पास बाइक के पहिये में दुपट्टा फंस गया और वह सड़क पर जा गिरी। उसे पहले किच्छा के ही सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन हालत गंभीर होने पर दोपहर बाद सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया। यहां शाम को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे रमा के देवर महेश ने बताया कि हादसे के बाद सिर से काफी खून बह गया था। रमा उसकी भाभी थी, उनके दो बेटे और दो बेटी हैं। इनमें दो का विवाह हो चुका है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मेडिकल चौकी पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है।

लालकुआं–कासगंज एक्सप्रेस के समय में किया बदला

हल्द्वानी। बरेल प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुविधा हेतु 27 जुलाई से 15312/15311 कासगंज–ऐशबाग–कासगंज एक्सप्रेस के नियमित संचालन में 27 जुलाई से संशोधन किया गया है। इसी क्रम में 15062 लालकुआं–कासगंज एक्सप्रेस 27 जुलाई से संशोधित समयानुसार लालकुआं से 20 बजे, किच्छा से 20:23 बजे, बहेड़ी से 20:41 बजे, भोजीपुरा से 21:12 बजे, इज्जतनगर से 21:41 बजे, बरेली सिटी से 22:01 बजे और बरेली जं. से 22:18 बजे छूटकर शेष स्टेशनों पर पूर्व समयानुसार रुकते हुए दूसरे दिन 00:45 बजे कासगंज पहुंचेगी।

महंगाई पर भारी पड़ रही आस्था

हल्द्वानी। सावन के महीने में सदर बाजार पूजन सामग्री से सज गया है। इन दिनों मंदिर से लेकर बाजारों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। इस बीच पूजन सामग्री में महंगाई के बावजूद लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। पूजन सामग्री के रेट में पिछले वर्ष की तुलना में 10 से 25 फीसदी तक इजाफा हुआ है।

सावन के महीने में लोग घरों में रुद्राभिषेक, शिवार्चन आदि अनुष्ठान कराते हैं, ऐसे में शिव पूजन से जुड़ी सामग्री की मांग बढ़ जाती है। छोटू मूर्ति कला केंद्र के शुभम कश्यप बताते हैं कि इस बार पूजन सामग्री में मूल्यों में इजाफा हुआ है। ट्रांसपोर्ट, पैकिंग और मंडी से माल महंगा होने के कारण 10 से 15 प्रतिशत तक दाम बढ़ाने पड़े हैं। किराना दुकानदार श्याम गुप्ता बताते हैं कि इस बार पूजन सामग्री पिछले वर्ष की तुलना में महंगी है। खरीदारी करने पहुंचीं श्वेता गुप्ता का कहना है कि महंगाई के चलते भोले की पूजा में कमी नहीं कर सकते हैं। पिछली बार तक 500 रुपये में आने वाला सामग्री पर इस बार 500 रुपये खर्च करने पड़े हैं।

दून शहर में नहीं घुसेंगे कांवड़ियों के वाहन

देहरादून। कांवड़ यात्रा के दौरान देहरादून शहर को जाम से बचाने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। कांवड़ियों के वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। पांवटा साहिब की ओर से आने वाले कांवड़ वाहनों को धर्मावाला से ही डायवर्ट किया जाएगा, जबकि दिल्ली–दून एक्सप्रेस वे के रास्ते आने वाले वाहनों को भी यू–टर्न कराने की तैयारी है।

दरअसल, शहर में स्कूल खुल चुके हैं और छुट्टी के समय जाम लगने की समस्या गंभीर है। इसके साथ ही बारिश के कारण शहर की कई सड़कों की हालत खराब है। इस कारण भी जाम लग रहा है। ऐसे में यदि कांवड़ यात्रियों के वाहन भी शहर में प्रवेश करते हैं तो जाम की समस्या और गंभीर हो जाएगी। इसलिए पुलिस ने पहले ही रणनीति तैयार कर ली है।

आवाजाही प्रभावित न हो, इसके लिए प्लान तैयार

यातायात पुलिस के अनुसार कांवड़ यात्रियों के लिए निर्धारित मार्गों में दिशा सूचक लगाया जाएगा। पांवटा साहिब की ओर से आने वाले वाहनों को

धर्मावाला से ही वैकल्पिक मार्ग पर भेजा जाएगा। वहीं दिल्ली–दून एक्सप्रेस वे के जरिए आने वाले कांवड़ वाहनों को भी शहर की सीमा से पहले ही वापस मोड़ा जाएगा, ताकि मुख्य मार्गों पर दबाव कम रहे। यात्रा के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों और चेक पोस्टों के अलावा देहरादून की सीमाओं पर स्थित पुलिस चौकियों और बैरियरों पर भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। पुलिसकर्मी हर आने–जाने वाले कांवड़ वाहन की निगरानी करेंगे और निर्धारित रूट प्लान का पालन कराएंगे। ट्रैफिक पुलिस, स्थानीय पुलिस और अन्य विभागों के बीच समन्वय बनाकर पूरे अभियान की निगरानी की जाएगी।

इस महीने अब तक सामान्य से आठ प्रतिशत अधिक हो चुकी बारिश

देहरादून। इस महीने राज्य में सामान्य से आठ प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। राज्य में एक से 26 जुलाई तक सामान्य 354.3 एमएम की तुलना में 372.6 एमएम बरसात हुई है। प्रदेश में सबसे अधिक बारिश बागेश्वर जिले में हुई। यहां पर सामान्य से 188 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। चमोली में भी सामान्य से 62 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। वहीं, देहरादून, नैनीताल और चंपावत में अब तक सामान्य से बारिश कम हुई है। वहीं, प्रदेश में भूस्खलन समेत अन्य कारण से 56 मार्ग बंद हैं। इसमें सबसे अधिक ग्रामीण 47 मार्ग बंद है। पिथौरागढ़ जिले में सबसे अधिक एक राज्यमार्ग समेत 13 मार्ग बंद है। चमोली में नौ, देहरादून में सात मार्ग बंद है। अल्मोड़ा दो, बागेश्वर पांच, नैनीताल पांच, पौड़ी चार, रुद्रप्रयाग चार , टिहरी एक और ऊधम सिंह नगर में छह सड़क बंद है।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय: 46वां ज्ञान दीक्षा समारोह

देहरादून। देव संस्कृति विश्वविद्यालय (देसंविवि) शांतिकुंज में सोमवार को 46वां ज्ञान दीक्षा संस्कार समारोह हुआ। इसमें सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और देसंविवि के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। ऑनलाइन वीडियो संदेश में नितिन गडकरी ने कहा कि आत्म उन्नति, चरित्र निर्माण और लोकमंगल की भावना का विकास ही शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है। उन्होंने भारतीय ऋषि परंपरा में शिक्षा को श्रेष्ठता के जागरण का मार्ग बताया। नितिन गडकरी ने ज्ञानार्जन के साथ उच्च जीवन–दृष्टि अपनाकर देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने पर जोर दिया।

प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि यह समय केवल स्वयं तक सीमित रहने का नहीं, बल्कि ज्योति से ज्वाला बनकर राष्ट्र और समाज के नव निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का है। उन्होंने ज्ञान दीक्षा को सार्थक जीवन के लिए दृढ़ संकल्प की याद दिलाने वाला बताया। डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने युवाओं से आंतरिक शक्तियों को पहचानकर सकारात्मक विकास करने का आह्वान किया।

जलवायु परिवर्तन की मार से कराह रहा हिमालय

देहरादून। सूख रहे जलस्रोतमध्य हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव अब स्पष्ट और चिंताजनक रूप में सामने आने लगे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार यह बदलाव न केवल पर्यावरण बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन को भी गहराई तक प्रभावित कर रहे हैं। यह बात मूल रूप से चमोली जिले के निवासी मिजोरम विश्वविद्यालय के प्रो. विश्वंभर प्रसाद सती के अध्ययन में सामने आई है। उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों के कारण कृषि और बागवानी उत्पादन में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। इसका सीधा असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ा है और रोजगार की कमी के चलते बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ा है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों से 20 प्रतिशत से अधिक आबादी पलायन कर चुकी है और 1700 से अधिक गांव भुतहा बन चुके हैं। इसके साथ ही पारंपरिक जलस्रोत भी तेजी से सूख रहे हैं। भूमि बंजर होने की वजह से वर्षा जल का जमीन में समावेश कम हो रहा है, जिससे भूजल स्तर में गिरावट आई है और कई क्षेत्रों में जल संकट गहराता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन का असर फसलों पर भी साफ दिख रहा है। कई पारंपरिक फसलें विलुप्त हो चुकी हैं, जबकि कुछ विलुप्ति की कगार पर हैं। सेब और खट्टे फलों की खेती जो पहले निचले क्षेत्रों में होती थी, अब वहां लगभग समाप्त हो चुकी है। मोटे अनाज की खेती में भी गिरावट आई है, जिससे खाद्य सुरक्षा पर खतरा बढ़ रहा है। इसी प्रकार उत्तराखंड हिमालय के अनेक क्षेत्रों में सेब की खेती, जो कभी व्यापक रूप से होती थी अब व्यावहारिक नहीं रह गई है।

हरिद्वार में 30 जुलाई से 11 अगस्त तक स्कूलों में रहेगी छुट्टी

देहरादून। कांवड़ मेले को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और हरिद्वार पुलिस ने तैयारियां पूरी कर ली है। सोमवार को प्रेस क्लब में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने मेले की व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि मेले के लिए सभी विभागों की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सेक्टरवार अधिकारियों की तैनाती की गई हैं और जहां भी कोई कमी मिलेगी, उसे तत्काल दूर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 30 जुलाई से 11 अगस्त तक विद्यालयों में अवकाश रहेगा। ऑनलाइन कक्षाएं संचालित होंगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग को मिलावटी खाद्य पदार्थों पर कार्रवाई और दुकानों पर रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने

कहा कि मानसून, राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्माण कार्य और कुंभ–2027 की तैयारियों के बावजूद श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाएं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

स्वरोजगार अपनाकर बढ़ती जा रही है लखपति दीदीयों की संख्या : प्रीतम

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर मंडल में भाजपा की ओर से आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर चर्चा की गई। विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने सम्मेलन में पहुंचकर अपनी भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में मौजूद मातृशक्ति का शॉल ओढ़कर सम्मानित किया गया। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि धनोल्टी विधायक प्रीतम सिंह पंवार ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रभावी योजनाएं संचालित कर रही हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष उदय सिंह रावत ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को नई पहचान मिली है। दर्जाधारी गीता रावत ने कहा कि मुद्रा लोन, डेयरी, सहकारिता और अन्य स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को लखपति दीदी बनने का अवसर मिल रहा है। महिला मोर्चा प्रभारी कविता शाह और जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष इंदु डंगवाल ने भी महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

गुमखाल-सतपुली हाईवे पर फिर गिरा मलबा, कई घंटे बाधित रहा यातायात

गुमखाल-सतपुली के मध्य बोल्डर हटाती पोकलेंड

बारिश में बढ़ा खतरा, संभलकर करें सफर

सतपुली-गुमखाल मार्ग पर बारिश के दौरान सफर करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। हल्की वर्षा में ही सड़क पर कीचड़ फैल जाता है, जिससे विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए फिसलन का खतरा बढ़ जाता है। पिछले एक माह के दौरान कुल्हाड़ बैंड क्षेत्र में कई गंभीर घटनाएं हो चुकी हैं। बीते महीने एक वाहन पर बोल्डर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। अगले ही दिन एक अन्य कार पर भी भारी बोल्डर गिरा, जिससे वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि उसमें सवार पांचों लोग सुरक्षित बच गए। वहीं गत सप्ताह सब्जियों से लदे एक पिकअप पर भी बोल्डर गिरा था। चालक रात में मार्ग बंद होने के कारण वाहन वहीं खड़ा कर सतपुली लौट गया था, जिससे जनहानि नहीं हुई। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने इस मार्ग की सुरक्षा को लेकर लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वर्षाकाल में गुमखाल-सतपुली राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर लगातार जोखिम भरा होता जा रहा है। सोमवार दोपहर कुल्हाड़ बैंड के समीप पहाड़ी का एक हिस्सा अचानक भरभराकर हाईवे पर आ गिरा। भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर आने से राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। राहत की बात यह रही कि घटना के समय मार्ग से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हाईवे बंद होने के बाद वाहनों को सतपुली-कांडाखाल-सिसल्डी-डेरियाखाल वैकल्पिक मार्ग से निकाला गया।

अचानक यातायात का दबाव बढ़ने से सतपुली बाजार में लंबा जाम लग गया और लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, सतपुली-गुमखाल के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। इसी कारण हल्की बारिश होते ही कई स्थानों पर पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने लगते हैं। सोमवार करीब दो बजे कुल्हाड़ बैंड के पास भी पहाड़ी का हिस्सा ढह गया। सूचना मिलते ही मौके पर तैनात पोकलेन मशीनों को मलबा हटाने में लगाया गया, लेकिन भारी बोल्डरों के कारण मार्ग खोलने में काफी समय लगा।

चालक, परिचालकों की कमी से जूझ रहा रोडवेज डिपो

श्रीनगर गढ़वाल : रोडवेज डिपो इन दिनों चालक और परिचालकों की कमी से जूझ रहा है। निर्धारित पदों के मुकाबले कर्मचारियों की संख्या काफी कम होने से मौजूदा बसों का संचालन तो किसी तरह हो रहा है, लेकिन भविष्य में नई बसें मिलने पर डिपो के सामने बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।

डिपो प्रभारी अशोक काला ने बताया कि श्रीनगर डिपो में चालक के 36 पद होने चाहिए, जबकि वर्तमान में केवल 21 चालक ही कार्यरत हैं। इसी तरह 36 परिचालकों की आवश्यकता के मुकाबले फिलहाल 19 अस्थायी परिचालक सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में सीमित स्टाफ के सहारे बसों का संचालन किया जा रहा है। पिछले दो महीनों में श्रीनगर डिपो को केवल दो नए चालक मिले हैं। बताया कि परिवहन निगम लगातार चालक और परिचालकों की मांग शासन व मुख्यालय को भेज रहा है। भर्ती की प्रक्रिया भी चल रही है, लेकिन उत्तराखंड के युवा परिवहन निगम में चालक की नौकरी के प्रति अपेक्षित रुचि नहीं दिखा रहे हैं। इस कारण रिक्त पद लंबे समय से खाली पड़े हैं। (एजेंसी)

आशा कार्यकर्ताओं ने डेंगू सर्वे मानदेय बढ़ाने की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा ब्लॉक की आशा कार्यकर्ताओं ने डेंगू सर्वे के लिए मिलने वाले मानदेय को बेहद कम बताते हुए इसे बढ़ाने की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पूरे माह घर-घर जाकर डेंगू सर्वे और जागरूकता अभियान चलाने के बावजूद उन्हें मात्र 200 रूपये प्रतिमाह का भुगतान किया जा रहा है, जो उनकी मेहनत के अनुरूप नहीं है। उन्होंने मानदेय बढ़ाकर 2,000 रूपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की। सोमवार को ब्लॉक अध्यक्ष प्रभा चौधरी के नेतृत्व में आशा कार्यकर्ता तहसील परिसर पहुंची और उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि डेंगू सर्वे के तहत उन्हें घर-घर जाकर लोगों को डेंगू से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना पड़ता है। इसके लिए प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 4 बजे से 6 बजे तक सर्वे कार्य करना निर्धारित है। कार्यकर्ताओं का कहना था कि तय समय के अनुसार लगातार मेहनत करने के बावजूद उन्हें केवल 200 रुपये प्रतिमाह का मानदेय दिया जा रहा है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में बेहद अपर्याप्त है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि डेंगू सर्वे के लिए दिए जाने वाले मानदेय को बढ़ाकर 2,000 रूपये प्रतिमाह किया जाए। इस दौरान मीरा नेगी, रंजना कोटनाला, नीलम कुकरेती, प्रमिला गुसाईं, ज्योति रावत, सीमा देवी सहित अन्य आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

संक्षिप्त समाचार

स्टेशन रोड पर अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि नजीबाबाद चौक से स्टेशन की ओर जाने वाले मार्ग पर पेट्रोल पंप के निकट बने यात्री शेड में एक बुजुर्ग व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ है। पुलिस ने घटना स्थल से व्यक्ति को राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

युवती को घायल करने के मामले में कार चालक पर प्राथमिकी दर्ज

देवप्रयाग : राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओवरटेक करने के दौरान बाइक सवार की ओर से युवती को घायल करने के मामले में देवप्रयाग पुलिस ने कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। युवती के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार बीते 19 जुलाई को जोशीमठ से अपने सहकर्मी की बाइक पर सवार होकर एक युवती काम के सिलसिले में देहरादून जा रही थी। देवप्रयाग तहसील के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने लापरवाही से ओवरटेक करते हुए बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी एक अंगुली कटकर अलग हो गई। उसे सीएचसी देवप्रयाग से एम्स ऋषिकेश और बाद में मैक्स अस्पताल, देहरादून रेफर किया गया जहां उसका उपचार जारी है। युवती के पिता राकेश लाल निवासी ग्राम कमसाल, पोस्ट जगोठ, जिला रुद्रप्रयाग ने घटना के करीब एक सप्ताह बाद थाना देवप्रयाग में तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस के अनुसार मामले की विवेचना की जा रही है। जांच के आधार पर दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। (एजेंसी)

यूजी के लिए 31 जुलाई तक खुला रहेगा पोर्टल

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण की पहल पर विभिन्न छात्र संगठनों एवं छात्रसंघ पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं ने नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यूजी के 5वें, 7वें एवं 9वें सेमेस्टर के लिए प्रवेश पोर्टल 21 से 31 जुलाई तक खुला रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर अवधि बढ़ाई जा सकती है।

यूजी/पीजी तृतीय सेमेस्टर के परिणाम समर्थ पोर्टल पर अपलोड किए जा चुके हैं और प्रवेश प्रक्रिया शीघ्र शुरू होगी। साथ ही प्रवेश पोर्टल खुलने के 15-20 दिनों में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने का लक्ष्य है। बीटेक की सभी शाखाओं में प्रवेश जारी है। वहीं छात्रसंघ पदाधिकारियों ने प्रवेश व्यवस्था, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाओं तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सहित विभिन्न सुझाव रखे। श्री गुसांई ने कहा कि विवि से संबंधित सभी आधिकारिक सूचनाएं केवल अधिकृत माध्यमों से ही जारी की जाएंगी। बैठक में प्रो. अतुल ध्यानी, डॉ. विजय ज्योति, डॉ. कपिल पंवार, छात्र संघ अध्यक्ष महिपाल बिष्ट, सचिव अनुरोध पुरोहित, उपाध्यक्ष शिवांक नौटियाल, आयुष वेदवाल, वीरेंद्र बिष्ट, पंकज फर्स्वाण आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

कांवड़ लेकर 70 श्रद्धालुओं का दल रवाना

देवप्रयाग : सावन मास के अवसर पर सबधारखाल से नीलकंठ महादेव के लिए निकलने वाली कांवड़ पदयात्रा रविवार को देवप्रयाग से गंगाजल लेकर रवाना हुई। करीब 70 श्रद्धालुओं का दल भगवान राम की तपस्थली रामकुंड पहुंचा जहां श्रद्धालुओं ने हर-हर गंगे और भोलेनाथ के जयघोष के बीच कांवड़ में गंगाजल भरा। यात्रा संयोजक लक्ष्मण सिंह बुटोला और अरविंद चंद ने बताया कि यह आस्था और भक्ति की पदयात्रा पिछले 35 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है और यह 36वां वर्ष है। श्रद्धालुओं का दल सबधारखाल से पोखरी, धारी, कोठी और धनेश्वर होते हुए देवप्रयाग पहुंचा। यहां से गंगाजल लेकर श्रद्धालु प्राचीन बदरी-केदार पैदल यात्रा मार्ग से करीब 100 किलोमीटर की दुर्गम यात्रा तय कर नीलकंठ महादेव पहुंचेंगे। यात्रा सौड़, उमरासू, व्यास चट्टी, कांडी, महादेव चट्टी, नांद गांव, नौंठखाल, बिजनी, मोहन चट्टी और खैरखाल होते हुए नीलकंठ महादेव पहुंचेगी और भगवान शिव का गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा। (एजेंसी)

सतत सुधार के लिए प्रभावी अनुश्रवण और मार्गदर्शन जरूरी : नेगी

नई टिहरी। शिक्षा में गुणवत्ता और नवाचार के लिए प्रभावी अनुश्रवण, मार्गदर्शन एवं शैक्षणिक सहयोग प्रणाली विषय पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में चार दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई जिसमें स्टार लाइट एड इंडिया फाउंडेशन और राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) उत्तराखंड की संयुक्त पहल पर किया जा रहा है। सोमवार को डायट में अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। एससीईआरटी के उप निदेशक विनोद मटूड़ा ने कहा कि प्रभावी अनुश्रवण और मार्गदर्शन से विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में निरंतर सुधार, उत्तरदायित्व और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी।

मशाल जुलूस में टूटी हांडी, आग की चपेट में आए दो बाइक सवार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में निकाले गए भाजपा के मशाल जुलूस के दौरान रविवार रात दुर्गापुरी में बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जुलूस के दौरान एक कार्यकर्ता के हाथ में पकड़ी मशाल की हांडी अचानक टूट गई, जिससे आग की तेज लपटें उठने लगीं।

उसी समय सड़क से गुजर रहे दो बाइक सवार युवक लपटों की चपेट में आ गए। उनकी टी-शर्ट में आग लग गई, लेकिन सूझबूझ दिखाते हुए दोनों ने तुरंत बाइक रोककर अपने कपड़े उतार दिए। इससे बड़ा हादसा टल गया।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भाबर क्षेत्र के दुर्गापुरी में भाजपा की ओर से मशाल जुलूस निकाला गया था। भारत माता के जयघोष के बीच बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी हाथों में मशाल लेकर चल रहे थे। इसी दौरान एक कार्यकर्ता की मशाल की हांडी टूट गई और उसमें

कोटद्वार के दुर्गापुरी में मशाल जुलूस के दौरान आग की चपेट में आने के बाद मौके पर जुटे लोग।

भरा ज्वलनशील पदार्थ सड़क पर फैलते ही आग भड़क उठी। आग की चपेट में आए दोनों बाइक सवारों की टी-शर्ट जल गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल आग बुझाने में मदद की। घटना में दोनों युवकों को मामूली झुलसन आई और प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति सामान्य बताई गई। घटना के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार संबंधित कार्यकर्ता की मशाल काफी देर से असंतुलित होकर हिल रही थी, लेकिन उसे समय रहते संभाला नहीं जा सका। लोगों का कहना है कि यदि आग पर तुरंत काबू नहीं पाया जाता तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी।

जिला व राज्य योजना के कार्यों में भेदभाव का आरोप, ठेकेदार संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पर्वतीय ठेकेदार संघ ने लोक निर्माण विभाग में जिला योजना और राज्य योजना के तहत कराए जा रहे कार्यों के आवंटन में भेदभाव का आरोप लगाया है। संघ का कहना है कि जनप्रतिनिधियों के दबाव में उनके चहेते लोगों को कार्य दिए जा रहे हैं, जबकि विभाग में पंजीकृत पात्र ठेकेदारों की अनदेखी की जा रही है। इस संबंध में संघ के पदाधिकारियों ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता निर्भय सिंह से भी मुलाकात कर अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

संघ के अध्यक्ष देवेंद्र पाल सिंह और सचिव आशीष रावत ने कहा कि विभाग में कार्य आवंटन की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। उनका आरोप है कि नियमों के विपरीत कुछ चुनिंदा लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे वर्षों से विभाग में पंजीकृत और पात्र ठेकेदार काम से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। कार्यों के आवंटन में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए पात्र पंजीकृत ठेकेदारों को समान अवसर दिए जाएं। यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो पर्वतीय ठेकेदार संघ आंदोलन शुरू करने को बाध्य होगा। इस दौरान जयप्रकाश, राकेश काला, विपिन चौहान, हरीश नेगी, दिनेश रावत, विकास माहेश्वरी, भास्कर बड़थ्वाल, मोहन पोखरियाल, किशोर लखेड़ा सहित अन्य ठेकेदार मौजूद रहे।

खैरालिंग महादेव मंदिर परिसर में हुआ पौधारोपण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री गोरखनाथ पर्यावरणीय संरक्षण एवं संवर्धन समिति की ओर से पौराणिक खैरालिंग महादेव मंदिर परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल पर विशेष जोर दिया। समिति के अध्यक्ष मदन मोहन उनियाल की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक होगा, जब रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल की जाए। पौधे बड़े होकर वृक्ष बनेंगे तो पर्यावरण संरक्षण के साथ प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। समिति के सदस्य सतीश चंद्र शर्मा ने संस्था की पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों की जानकारी देते हुए वनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक के कारण लोग पारंपरिक खेती से दूरी बना रहे हैं। ऐसे में बंजर होती कृषि भूमि पर फलदार और उपयोगी पौधों का रोपण कर बागवानी को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उमानंद बड़ोला ने कहा कि जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से फैल रहे लैंटाना और काले बांस जैसी आक्रामक प्रजातियों के उन्मूलन के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि स्थानीय जैव विविधता और वन संपदा को संरक्षित रखा जा सके। इस अवसर पर आरपी पंत, अनिल नेगी, अशोक नेगी, विजय राम पंत, हर्षवर्धन नौटियाल, सुनील उनियाल, प्रेम प्रकाश भट्ट सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

डीएम ने की सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा

हर शिकायत का समयबद्ध और संतुष्टिपूर्ण निस्तारण करने के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सोमवार को जिला सभागार, गोपेश्वर में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने 36 दिनों से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों की एक-एक कर समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल पोर्टल पर औपचारिक कार्रवाई दर्ज करने तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ताओं की वास्तविक समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनकी संतुष्टि प्राप्त हो सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना उचित कारण शिकायतों का अनावश्यक क्लोजर न किया जाए तथा ट्रांसफर किए गए मामलों का नियमित फॉलोअप करते हुए उनकी प्रगति पर सतत निगरानी रखी जाए। समीक्षा के दौरान अधिक किराया वसूली से संबंधित एक शिकायत पर

जिलाधिकारी ने एआरटीओ को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं, नामांतरण (म्यूटेशन) से संबंधित शिकायत पर तहसीलदार गैरसैंण को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सड़क के नाम परिवर्तन संबंधी शिकायत पर उन्होंने ब्रिडकुल एवं सैनिक कल्याण विभाग को आपसी समन्वय स्थापित कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, उपजिलाधिकारी राजकुमार पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

बाल संत समागम में बच्चों को संस्कार और अध्यात्म से जोड़ने पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : संत निरंकारी मिशन की ओर से कोटद्वार स्थित संत निरंकारी भवन में आयोजित बाल संत समागम में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आध्यात्मिक संस्कारों की आवश्यकता पर बल दिया गया।

वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ बच्चों में मानवता, सेवा, अनुशासन और करुणा जैसे मूल्यों का विकास भी उतना ही आवश्यक है। अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से सत्संग और आध्यात्मिक गतिविधियों से जोड़ने का आह्वान किया गया।

समागम को संबोधित करते हुए महात्मा धर्मेंद्र पायल ने कहा कि आज के समय में केवल आधुनिक शिक्षा और भौतिक सुविधाएं उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है। बच्चों को आत्मिक ज्ञान और मानवीय मूल्यों से जोड़ना भी जरूरी है, ताकि वे जीवन में सफल होने के साथ-साथ एक अच्छे इंसान भी बन सकें। उन्होंने कहा कि बाल संत समागम का उद्देश्य बच्चों के भीतर प्रेम, सेवा, विनम्रता, अनुशासन, करूणा और मानवता जैसे गुणों का विकास करना है। यदि जीवन में प्रेम, संवेदनशीलता और इंसानियत का अभाव हो तो बड़ी से बड़ी उपलब्धियां भी अपना महत्व खो देती हैं।

महात्मा धर्मेंद्र पायल ने कहा कि विज्ञान मनुष्य को चांद तक पहुंचा सकता है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने का कार्य केवल मानवता और ब्रह्मज्ञान ही कर सकते हैं। ऐसे आयोजनों में बच्चों को सत्संग के माध्यम से जीवनोपयोगी संस्कार प्राप्त होते हैं, जो उन्हें सेवा, सद्भाव, सम्मान और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति प्रेरित करते हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि जिस प्रकार वे बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य को लेकर सजग रहते हैं, उसी प्रकार उनके नैतिक और आध्यात्मिक विकास पर भी ध्यान दें तथा उन्हें नियमित रूप से बाल समागम और सत्संग में शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

शिक्षा, साहित्य और समाजसेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल : रोटरी क्लब श्रीनगर के 27वें समारोह में वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही शिक्षा, साहित्य और समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. पायल गौड़ ने क्रिएट लास्टिंग इम्पैक्ट थीम के तहत समाज पर दीर्घकालिक प्रभाव डालने वाले सेवा प्रकल्प चलाने की बात कही। विशिष्ट अतिथि निदेशक प्रो. पी.वी.बी. सुब्रमण्यम ने युवाओं में बढ़ती नशाखोरी पर चिंता जताई।। डॉ. विष्णु दत्त कुकरेती व डॉ. वीरेंद्र सिंह बर्त्वाल को वोकेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड और साक्षी निजवाला को एकेडेमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड से नवाजा गया। निवर्तमान अध्यक्ष रो. हिमांशु अग्रवाल, सचिव रो. संजय सिंह रावत व कोषाध्यक्ष रो. मनीष कोठियाल ने नए अध्यक्ष रो. अनिल ढौंडियाल, सचिव डॉ. हरीश भट्ट और कोषाध्यक्ष डॉ. आरएस भंडारी को कमान सौंपी।

चार नए हेली रूटों पर नियमित सेवा शुरू करने की तैयारी तेज

श्रीनगर गढ़वाल : क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने सहस्त्रधारा से श्रीनगर सहित चार नए हेली रूटों पर नियमित सेवा शुरू करने की तैयारी तेज कर दी है। प्रस्तावित रूटों का सर्वे और चिह्नीकरण पूरा हो चुका है। अब हेलिकॉप्टर कंपनियों के चयन के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। नई योजना के तहत सहस्त्रधारा-श्रीनगर, सहस्त्रधारा-पौड़ी, सहस्त्रधारा-जोशीमठ और सहस्त्रधारा-टनकपुर के अलावा पिथौरागढ़-नाभीढांग रूट भी प्रस्तावित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार डीजीसीए से आवश्यक अनुमति मिलने के बाद जल्द ही संचालन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

उत्तराखण्ड पॉवर कॉरपोरेशन लि.
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या: U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

ई-निविदा विस्तार सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार से आमन्त्रित ई-निविदा सं० 05/EDDK/26-27 एवं ई-निविदा सं0 07/EDDK/26-27 के निविदा प्रपत्र विक्रय करने की तिथि अपरिहार्य कारणवश 11.08.2026 को 10.00 बजे तक बढ़ायी जाती है तथा ई-निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की तिथि 11.08.2026 को 11.00 बजे तक स्वीकार की जायेगी एवं ई-निविदा प्रपत्र ऑनलाइन और ऑफलाइन निविदा भाग एक खुलने की तिथि 11.08.2026 एवं समय 15.30 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य शर्तें पूर्ववत है।

पत्रांक: 2153/विविखको/टी-6 दिनांक: 27.07.2026 अधिशासी अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें।
(टोल फ्री नं. 1912) विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं।
(विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं. 1800 419 0405/ फैक्स संख्या-0135-2760911 पर दें।)

बेस अस्पताल की सीटी स्कैन मशीन खराब, मरीज परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : मेडिकल कॉलेज से संबद्ध बेस अस्पताल श्रीकोट की सीटी स्कैन मशीन पिछले तीन दिनों से खराब पड़ी है, जिससे दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को यहां आकर लौटना पड़ रहा है। आपातकालीन और गंभीर मरीजों की जांच के लिए यहां पर कोई अन्य वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं है, जिससे मरीजों को ऋषिकेश एवं देहरादून के अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है।

बेस अस्पताल पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली और टिहरी जनपद के सैकड़ों लोगों के लिए प्रमुख उपचार केंद्र है। ऐसे में सीटी स्कैन मशीन बंद होने से सिर की चोट, ब्रेन स्ट्रोक,

सड़क दुर्घटना और अन्य गंभीर बीमारियों के मरीजों का समय पर परीक्षण नहीं हो पा रहा है। इससे मरीजों के इलाज में अनावश्यक देरी हो रही है। स्थानीय लोगों एवं तीमारदारों का कहना है कि अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन के खराब होने की समस्या कई बार आ जाती है। इसका खामियाजा मरीजों को झेलना पड़ता है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज प्रशासन से सीटी स्कैन मशीन को जल्द से जल्द ठीक कराने, वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित करने की मांग की। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश रावत ने बताया कि मशीन ठीक कराने के लिए टेक्निशियन बुलाए गए हैं। जल्द मशीन ठीक कराने का प्रयास किया जा रहा है। (एजेंसी)

छावनी परिषद् लैन्सडौन

निविदा संशोधन सूचना (Corrigendum)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छावनी परिषद् द्वारा रेस्टोरेन्ट जो कि निकट टिप-इन-टॉप परिसर में स्थित के संचालन हेतु 05 वर्षों के लिए आमंत्रित ई-निविदा की समय सारिणी में तकनीकी कारणों से संशोधन किया गया है। संशोधित कार्यक्रम निम्नानुसार है :-

कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की अंतिम तिथि	03/08/2026 (प्रातः 10.00 बजे तक)
कोटेशन खोलने की तिथि	04/08/2026 (दोपहर 12.30 बजे तक)

अन्य सभी निविदा की शर्तें एवं नियम पूर्ववत् यथावत रहेंगे।
1. कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेवसाईट पर ऑन लाईन भरे जाएगे।
2. सम्बन्धित अन्य शर्तें कार्यालय में आकर या www.defproc.gov.in पर देखी जा सकती है।

पंत्राक 2000/दुकान/छा0परि0
कार्यालय छावनी परिषद् लैन्सडौन
दिनॉक जुलाई 2026
(0334/67)

मुख्य अधिशासी अधिकारी
छावनी परिषद् लैन्सडौन।

संपादकीय

आस्था और आर्थिक महत्व का शंखनाद

कावड़ यात्रा की शुरुआत का "काउंटडाउन" शुरू हो चुका है और महज एक दिन बाद उत्तराखंड में कावड़ यात्रा की धूम नजर आने लगेगी। उत्तराखंड सरकार और राज्य पुलिस ने शांतिपूर्ण यात्रा के तहत व्यापक प्रबंध किए हैं और लगातार इसकी उच्च स्तरीय समीक्षा मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव स्तर पर की जा रही है। कावड़ का पर्व उत्तराखंड के लिए न केवल आस्था की दृष्टि से बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी एक बेहद अहम स्थान रखता है, हालांकि यात्रा के दौरान कुछ अपवाद भी नजर आए हैं लेकिन इससे आस्था और इसके महत्व पर सवाल नहीं उठाई जा सकते। कांवड़ से उत्तराखंड की धरती पर आस्था का एक विराट प्रवाह दिखाई देने लगता है। हरिद्वार और ऋषिकेश से गंगाजल लेने आने वाले लाखों कांवड़ियों के कदम केवल धार्मिक यात्रा का हिस्सा नहीं होते, बल्कि वे भारतीय समाज की उस परंपरा को भी जीवंत करते हैं जो सदियों से श्रद्धा, त्याग और विश्वास पर आधारित रही है। कांवड़ यात्रा आज केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक क्षमता का भी महत्वपूर्ण प्रतीक बन चुकी है। उत्तराखंड सरकार के लिए कांवड़ यात्रा का सफल संचालन एक चुनौती है। लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, पेयजल और कानून–व्यवस्था बनाए रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। यात्रा के दौरान राज्य का पूरा प्रशासनिक तंत्र सक्रिय रहता है। पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, नगर निकाय, आपदा प्रबंधन दल और स्वयंसेवी संगठन मिलकर यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यह व्यवस्था केवल सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि राज्य की प्रतिष्ठा से भी जुड़ा विषय है। कांवड़ यात्रा उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यात्रा मार्गों पर स्थित छोटे दुकानदारों, होटल व्यवसायियों, वाहन चालकों, फल विक्रेताओं और स्थानीय व्यापारियों के लिए यह अवधि आय का एक बड़ा अवसर लेकर आती है। हालांकि इस यात्रा के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। बढ़ती भीड़ के कारण यातायात प्रभावित होता है, पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है और कई बार अनुशासनहीनता की घटनाएं भी सामने आती हैं। इसलिए केवल सरकारी प्रबंध पर्याप्त नहीं हैं। यात्रियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। गंगा की स्वच्छता, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन हर श्रद्धालु का कर्तव्य होना चाहिए। उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है और कांवड़ यात्रा इस पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत करती है। यह यात्रा राज्य को अपनी आतिथ्य परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और प्रशासनिक दक्षता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है। यदि व्यवस्थाएं सुचारु रहें और श्रद्धालु भी अनुशासन का परिचय दें, तो यह आयोजन आस्था और व्यवस्था के संतुलन का आदर्श उदाहरण बन सकता है। कांवड़ यात्रा की सफलता का आंकलन उनकी संख्या से नहीं, बल्कि इसमें है कि वे सुरक्षित, संतुष्ट और सकारात्मक अनुभव लेकर अपने घर लौटें। शांतिपूर्ण और सुरक्षित यात्रा को सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी एक संयुक्त प्रयास है, जिसमें सबकी भागीदारी सकारात्मक तौर ओर होनी चाहिए।

हरित भविष्य की राहः प्रकृति संरक्षण का संकल्प

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 28 जुलाई को जैव विविधता के संरक्षण, विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित किए जाने,पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा करने के क्रम में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया जाता है।

आज विकास की होड़ में जगह-जगह कंक्रीट के जंगल खड़े किए जा रहे हैं और प्राकृतिक संसाधनों का जमकर दोहन किया जा रहा है। मानव अपने स्वार्थ और लालच के चक्कर में प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करना भूल सा गया है और प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जंगल कम होते चले जा रहे हैं और जलवायु परिवर्तन हो रहा है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है और ग्लेशियर पिघल रहे हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वन, मिट्टी, वायु, वन्यजीव और जैव विविधता आदि सीमित हैं तथा इनके संरक्षण के बिना मानव जीवन और सतत विकास संभव नहीं है। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी और नैतिक कर्तव्य है। आज के समय में अनियंत्रित शहरीकरण, प्लास्टिक प्रदूषण, अंधाधुंध खनन और वनों की कटाई प्रकृति के सामने सबसे बड़ी चुनौतियाँ हैं। वास्तव में प्रकृति केवल हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन नहीं, बल्कि जीवन का मूल आधार है। यदि जंगल, नदियाँ, मिट्टी, वायु और वन्यजीव सुरक्षित रहेंगे, तभी मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल बचाने, अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने, प्लास्टिक का कम उपयोग करने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रकृति का सम्मान और संरक्षण ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे मूल्यवान विरासत है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर भारत में वनों की स्थिति की बात करें तो एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 21.76% भाग वन क्षेत्र है, जबकि वृक्ष आवरण लगभग 3.41% है। दोनों को मिलाकर वन एवं वृक्ष आवरण लगभग 25.17% है। कहना गलत नहीं होगा कि आज देश में विकास परियोजनाओं, सड़क एवं रेल निर्माण, खनन, शहरीकरण और अवैध कटाई के कारण कई क्षेत्रों में वनों पर दबाव बढ़ रहा है।वनों की कटाई से जैव विविधता घटती है, वन्यजीवों के आवास नष्ट होते हैं, मिट्टी का कटाव बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन की समस्या गंभीर होती है।

आज प्रकृति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती प्लास्टिक प्रदूषण की है। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो जानकारी मिलती है कि दुनिया में हर वर्ष 400 मिलियन टन (40 करोड़ टन) से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है। इसका बड़ा हिस्सा कचरे के रूप में पर्यावरण में पहुँच जाता है।यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही, तो 2050 तक गलत तरीके से प्रबंधित (रेंल्लीी) प्लास्टिक कचरा लगभग दोगुना होकर 12.1 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुँच सकता है। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के समक्ष एक बहुत ही गंभीर व बड़ी चुनौती है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में 2022-23 के दौरान लगभग 41.36 लाख टन (4.14 मिलियन टन) प्लास्टिक कचरा दर्ज किया गया। यह बहुत ही संवेदनशील है कि भारत से हर वर्ष लगभग 93 लाख टन (9.3 मिलियन टन) प्लास्टिक पर्यावरण में उत्सर्जित होता है, जो वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का लगभग 20% है। इतना ही नहीं,आज एआइ व इलैक्ट्रिक व्हीकल का दौर है।एआई और इलेक्ट्रिक व्हीकल के दौर में भी प्रदूषण की चुनौती बहुत बड़ी है। एआई के लिए विशाल डेटा सेंटरों को भारी मात्रा में बिजली और पानी की आवश्यकता होती है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों के निर्माण के लिए लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे खनिजों का बड़े पैमाने पर खनन किया जाता है, जिससे पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। यदि इन बैटरियों का वैज्ञानिक ढंग से पुनर्चक्रण (रि-साइक्ल) न किया जाए, तो वे भविष्य में नए प्रकार के प्रदूषण का कारण बन सकती हैं।

ऐसे में आज जरूरत इस बात है कि हम धरती पर से सबसे पहले प्लास्टिक प्रदूषण को कम करें। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें। इतना ही नहीं, हरित ऊर्जा आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानवता की आवश्यकता बन चुकी है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जीवाश्म ईंधनों के सीमित भंडार को देखते हुए सौर, पवन, जल और जैव ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना समय की मांग है। हरित ऊर्जा न केवल कार्बन उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करती है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूत बनाती है। यदि हमें आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पृथ्वी देनी है, तो हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना और ऊर्जा की बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

अंत में यही कहूंगा कि प्रकृति संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय व सामूहिक भागीदारी से ही संभव है। इसके लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना और उनका संरक्षण करना, जल एवं ऊर्जा की बचत करना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) अपनाना, जैव विविधता और वन्यजीवों की रक्षा करना तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देना आवश्यक है। जब विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित होगा तथा प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति को अपना दायित्व समझेगा, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और सुरक्षित पृथ्वी सुनिश्चित की जा सकेगी।

धर्मेंद्र प्रधान की सिर्फ मंत्री पद की कुर्सी गयी, राजनीतिक कद बरकरार है

नीरज कुमार दुबे

भारतीय राजनीति में संदेश अक्सर शब्दों से नहीं, बल्कि प्रतीकों से दिए जाते हैं। संसद के मॉनसून सत्र में आज ऐसा ही एक प्रतीकात्मक दृश्य देखने को मिला। दो दिन पहले नीट पेपर लीक विवाद की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले धर्मेंद्र प्रधान जब संसद पहुंचे तो बीजेपी और एनडीए सांसदों ने उनका स्वागत विजेता की तरह किया। ₹धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद₹ के नारों से संसद परिसर गूंज उठा, पारंपरिक टोपी और शॉल पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया और मुस्कुराते हुए प्रधान ने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन स्वीकार किया।

हीं से सियासत का नया अध्याय शुरू हो गया। विपक्ष ने सवाल दागा कि क्या यह इस्तीफे का सम्मान था या जवाबदेही का मजाक? कांग्रेस ने इसे उस नेता का महिमामंडन बताया जिसे देश की सबसे बड़ी परीक्षा से जुड़े कथित घोटाले के बाद पद छोड़ना पड़ा। धर्मेंद्र प्रधान के स्वागत समारोह पर कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने बिलकिस बानो मामले का हवाला देते हुए कहा कि यह उसी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा है जिसमें विवादों से घिरे लोगों का भी सार्वजनिक सम्मान किया जाता है। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा सांसद प्रधान का स्वागत ऐसे किया जा रहा है कि मानो उन्होंने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल की हो। उन्होंने आरोप लगाया कि देश ने पहले भी देखा है कि प्रधान ने अपने इस्तीफे में पेपर लीक के लिए माफी मांगने की बजाय छात्रों पर ही 'गुमराह होने' का आरोप लगाया था। रमेश ने कहा कि इसके बाद सभी केंद्रीय मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर प्रधान की 'वाहवाही' की। कांग्रेस महासचिव ने कहा, 'हमारा मानना है कि यह पूरा घटनाक्रम अत्यंत शर्मनाक है और देश के युवाओं का घोर अपमान है।'

हालांकि बीजेपी के लिए धर्मेंद्र प्रधान केवल पूर्व शिक्षा मंत्री नहीं हैं। वह पार्टी के सबसे भरोसेमंद संगठनकताओं में गिने जाते हैं। ओडिशा के एक राजनीतिक परिवार में जन्मे प्रधान ने छात्र राजनीति से शुरूआत की थी। एबीवीपी के कार्यकर्ता से लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, विधायक, सांसद और फिर केंद्रीय मंत्री बनने तक का उनका सफर संगठन की सीढ़ियां चढ़ते हुए तय हुआ। पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए उज्ज्वला जैसी योजनाओं के विस्तार में उनकी अहम भूमिका रही, जबकि 2021 में उन्हें शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई।

ओडिशा में बीजेपी का संगठन खड़ा करने का श्रेय भी काफी हद तक धर्मेंद्र प्रधान को दिया जाता है। 2017 के पंचायत चुनावों से लेकर 2019 के लोकसभा चुनाव और फिर 2024 में बीजेडी को सत्ता से बेदखल कर बीजेपी की ऐतिहासिक जीत तक, उनकी रणनीति निर्णायक मानी जाती है। अमित शाह के करीबी राजनीतिक प्रबंधकों में उनकी गिनती होती रही है। पार्टी के भीतर उन्हें करिश्माई वक्ता से ज्यादा भरोसेमंद रणनीतिकार और संकटमोचक के रूप में देखा जाता है। लेकिन शिक्षा मंत्रालय का कार्यकाल उनके राजनीतिक जीवन का सबसे कठिन अध्याय साबित हुआ। नई शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा और पीएम-श्री स्कूल जैसी योजनाओं को आगे बढ़ाने के बावजूद उनका कार्यकाल लगातार विवादों में घिरा रहा। राष्ट्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक के आरोप, एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप, तमिलनाडु के साथ तीन-भाषा फामूर्ले पर टकराव, 'हिंदी थोपने' के आरोप और शिक्षा संस्थानों के कथित भगवाकरण को लेकर विपक्ष के हमले लगातार उनका पीछा करते रहे। अंततः नीट विवाद वही मोड़ बन गया जिसने उन्हें पद छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

देखा जाये तो संसद में धर्मेंद्र प्रधान को मिले सम्मान ने यह संकेत भी दे दिया कि भाजपा उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ने नहीं देना चाहती। माना जा रहा है कि उन्हें जल्द ही पार्टी संगठन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष या महासचिव पद की जिम्मेदारी देने के अलावा उत्तर प्रदेश का चुनाव प्रभारी भी बनाया जा सकता है।

बहरहाल, सभी को यह समझना होगा कि भारतीय जनता पार्टी शायद उन पुराने कॉलेजों की तरह नहीं है, जहां लकड़ी की बेंचों पर सिर्फ लोकप्रिय नारे लिखे मिलते हैं। उसकी राजनीतिक शिक्षा सत्ता के कठिन संघर्षों से हुई है, जहां आज से ज्यादा कल की चिंता होती है। शायद इसी वजह से पार्टी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को अंत नहीं, बल्कि अगले अध्याय की शुरूआत की तरह पेश किया है। अब असली सवाल यह है कि क्या संसद में गूंजे धर्मेंद्र प्रधान 'जिंदाबाद' के नारे जनता के मन में उठे उन सवालों को भी दबा पाएंगे, जो लाखों छात्रों के भविष्य और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता से जुड़े हैं?

मीराबाई ने रचा इतिहास, खेल महाशक्ति बनने की दस्तक

कुमार कृष्णन

मीराबाई चानू का स्वर्ण, ऋषिकांत सिंह और राजा मुथुपंडी के रजत तथा झंडू कुमार का कांस्य हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि भारत का खेल भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इन खिलाड़ियों ने केवल पदक नहीं जीते, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि प्रतिभा, परिश्रम और अवसर का संगम किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है।

खेलों के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो केवल पदकों की संख्या से नहीं, बल्कि अपने साकेतिक महत्व से याद रखे जाते हैं। वे किसी खिलाड़ी की व्यक्तिगत उपलब्धि से आगे बढ़कर पूरे राष्ट्र के आत्मविश्वास, उसकी सामूहिक आकांक्षाओं और भविष्य की दिशा का संकेत बन जाते हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू का स्वर्ण पदक ऐसा ही एक क्षण है। महिलाओं की 48 किलोग्राम स्पर्धा में 190 किलोग्राम भार उठाकर उन्होंने केवल स्वर्ण पदक ही नहीं जीता, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारतीय खेल अब प्रतिभा के भरोसे नहीं, बल्कि निरंतरता, वैज्ञानिक तैयारी और अदम्य आत्मविश्वास के नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं।

ग्लासगो में भारत के अभियान की शुरूआत जिस अंदाज में हुई, उसने यह संदेश दिया कि राष्ट्रमंडल खेलों में भारत अब केवल पदक तालिका में सम्मानजनक स्थान पाने का लक्ष्य लेकर नहीं उतरता, बल्कि अनेक स्पर्धाओं में प्रभुत्व स्थापित करने की क्षमता विकसित कर चुका है। भारोत्तोलन में पहले ही दिन स्वर्ण और दो रजत पदक इस विश्वास को और मजबूत करते हैं।

मीराबाई चानू ने स्नैच में 85 किलोग्राम तथा क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम भार उठाकर कुल 190 किलोग्राम का स्कोर बनाया। यह केवल स्वर्ण जीतने के लिए पर्याप्त नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से पूरे 22 किलोग्राम अधिक वजन उठाकर अपनी श्रेष्ठता निर्विवाद रूप से स्थापित कर दी। खेलों की दुनिया में ऐसी जीतें बहुत कम देखने को मिलती हैं, जहां विजेता और दूसरे स्थान के बीच इतना बड़ा अंतर हो। यह अंतर केवल ताकत का नहीं, बल्कि तैयारी, तकनीक और मानसिक दृढ़ता का भी होता है।

इस स्वर्ण के साथ मीराबाई ने राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर एक नई मिसाल कायम की। किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बार चैंपियन बनना कठिन होता है, लेकिन वर्षों तक अपने प्रदर्शन को उसी स्तर पर बनाए रखना उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। खेल इतिहास बताता है कि महान खिलाड़ी वही कहलाते हैं जो समय के साथ स्वयं को बार-बार साबित करते हैं। मीराबाई अब उसी श्रेणी में खड़ी दिखाई देती हैं।

उनकी यात्रा भारतीय खेलों की सबसे प्रेरक यात्राओं में से एक है। मणिपुर के छोटे से गांव नोंगपोक काकचिंग में जन्मी यह बेटी बचपन में सिर पर लकड़ियों के भारी गट्ठर उठाती थी। शायद उसी कठिन जीवन ने उनके कंधों को वह मजबूती दी, जिसने आगे चलकर विश्व मंच पर भारत का भार उठाने की क्षमता पैदा की। आर्थिक कठिनाइयों, सीमित संसाधनों, चोटों और असफलताओं के बावजूद उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। टोक्यो ओलंपिक का रजत पदक हो या विश्व चैंपियनशिप में सफलता–हर उपलब्धि के पीछे वर्षों का मौन संघर्ष छिपा हुआ है।

मीराबाई की जीत का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय महिला खेल आंदोलन की भी बड़ी सफलता है। कभी खेलों में महिलाओं की भागीदारी अपवाद मानी जाती थी। आज पी. वी. सिंधु, निकहत जरीन, साक्षी मलिक, लवलीना बोरगोहैन और मीराबाई चानू जैसी खिलाड़ी भारतीय खेलों की पहचान बन चुकी हैं। यह परिवर्तन केवल खेल के मैदान तक सीमित नहीं है; यह भारतीय समाज में महिलाओं के प्रति बदलती सोच और बढ़ते आत्मविश्वास का भी प्रमाण है।

ग्लासगो में भारत की सफलता केवल मीराबाई तक सीमित नहीं रही। पुरुषों की 60 किलोग्राम स्पर्धा में चनामबम ऋषिकांत सिंह ने रजत पदक जीतकर भारतीय अभियान को नई ऊर्जा दी। उन्होंने कुल 264 किलोग्राम वजन उठाया और स्नैच में 121 किलोग्राम का भार उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रिकॉर्ड केवल जीत का प्रमाण नहीं होते, वे यह बताते हैं कि खिलाड़ी प्रतियोगिता के मानकों को बदलने की क्षमता रखता है।

ऋषिकांत सिंह का प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि भारतीय भारोत्तोलन में प्रतिभाओं की नई पीढ़ी तैयार हो चुकी है। अब भारत की सफलता किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही। यह एक स्वस्थ खेल संस्कृति की पहचान है, जहां लगातार नए खिलाड़ी सामने आते हैं और अनुभवी खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाते हैं।

इसी क्रम में राजा मुथुपंडी ने पुरुषों की 65 किलोग्राम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत के खाते में एक और सफलता जोड़ दी। तीन पदकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारोत्तोलन अब भारत के लिए सबसे भरोसेमंद खेलों में शामिल हो चुका है। कभी यह खेल डोपिंग विवादों और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण चर्चा में रहता था। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ पर कई बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक प्रशिक्षण, पोषण, खेल विज्ञान, बेहतर निगरानी और खिलाड़ियों के अनुशासन ने इस खेल की तस्वीर बदल दी है। ग्लासगो की सफलता उसी परिवर्तन की कहानी है।

भारतीय दल के लिए यह भी उत्साहजनक रहा कि पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने कांस्य पदक जीतकर यह साबित किया कि भारत का पैरा खेल आंदोलन भी निरंतर मजबूत हो रहा है। यह उपलब्धि बताती है कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का नहीं, बल्कि मानसिक शक्ति और अदम्य संकल्प का भी नाम है।

इन सफलताओं का एक महत्वपूर्ण सामाजिक आयाम भी है। मीराबाई चानू और ऋषिकांत सिंह दोनों मणिपुर से आते हैं। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय से देश को उत्कृष्ट खिलाड़ी देता रहा है। मुक्केबाजी में मैरी कॉम, भारोत्तोलन में मीराबाई और अब ऋषिकांत जैसे खिलाड़ी बताते हैं कि यह क्षेत्र भारतीय खेलों की नई ऊर्जा का स्रोत है। दुर्भाग्य से यह क्षेत्र लंबे समय तक विकास और खेल सुविधाओं के मामले में उपेक्षित रहा। फिर भी वहां की प्रतिभाओं ने यह सिद्ध कर दिया कि अवसर मिलने पर वे विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन कर सकती हैं। यह सरकारों के लिए भी संदेश है कि खेल अवसंरचना का विस्तार केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। भारतीय खेलों का परिदृश्य पिछले एक दशक में तेजी से बदला है। कभी क्रिकेट ही राष्ट्रीय खेल चेतना का पर्याय बन गया था, लेकिन अब बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कुश्ती, निशानेबाजी, एथलेटिक्स, हॉकी और भारोत्तोलन जैसे खेल भी व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवर्तन स्वस्थ लोकतांत्रिक खेल संस्कृति का संकेत है। जब किसी देश में अनेक खेलों के खिलाड़ी राष्ट्रीय नायक बनने लगते हैं, तब समझना चाहिए कि वहां खेलों की जड़ें गहरी हो रही हैं।

हालांकि इन सफलताओं के बीच कुछ गंभीर प्रश्न भी हैं। भारत जैसी विशाल आबादी वाले देश के लिए खेल अवसंरचना अभी भी अपर्याप्त है। गांवों और छोटे कस्बों में प्रतिभाओं की पहचान की व्यवस्था कमजोर है। प्रशिक्षकों की कमी, खेल विज्ञान का सीमित उपयोग, पोषण संबंधी असमानताएं और खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर कम ध्यान जैसी समस्याएं आज भी मौजूद हैं। यदि भारत वास्तव में खेल महाशक्ति बनना चाहता है, तो इन चुनौतियों का समाधान करना होगा। यह भी याद रखना होगा कि राष्ट्रमंडल खेलों की सफलता महत्वपूर्ण अवश्य है, लेकिन अंतिम कसौटी ओलंपिक है। विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा का स्तर कहीं अधिक ऊंचा होता है। इसलिए ग्लासगो के पदकों को उपलब्धि के साथ-साथ भविष्य की तैयारी के रूप में भी देखना चाहिए। मीराबाई स्वयं इस बात का उदाहरण हैं कि राष्ट्रमंडल खेलों की सफलता को ओलंपिक पदक में कैसे बदला जा सकता है। भारत आज 2036 ओलंपिक की मेजबानी का सपना देख रहा है। यदि यह सपना साकार होता है तो केवल आधुनिक स्टेडियम पर्याप्त नहीं होंगे। हमें लाखों बच्चों के भीतर खेल संस्कृति विकसित करनी होगी। विद्यालयों में खेल को परीक्षा जितना महत्व देना होगा। माता-पिता को भी यह स्वीकार करना होगा कि खेल केवल शौक नहीं, बल्कि सम्मानजनक पेशा और राष्ट्र निर्माण का माध्यम भी है।

खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं होते। वे समाज को अनुशासन, परिश्रम, टीम भावना और असफलताओं से जूझने का साहस सिखाते हैं। ऐसे समय में जब युवा पीढ़ी डिजिटल दुनिया में अधिक समय बिताती है, खेल उन्हें शारीरिक और मानसिक संतुलन प्रदान कर सकते हैं। इसलिए खेलों में निवेश केवल खिलाड़ियों पर खर्च नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य में निवेश है।

ग्लासगो में जब मीराबाई चानू के सम्मान में तिरंगा सबसे ऊपर लहराया और राष्ट्रगान की धुन गूंजी, तब वह केवल एक खिलाड़ी की जीत का क्षण नहीं था। वह उन लाखों भारतीय बच्चों के सपनों का भी उत्सव था जो छोटे-छोटे गांवों, पहाड़ों और कस्बों से निकलकर एक दिन विश्व मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं।

मीराबाई चानू का स्वर्ण, ऋषिकांत सिंह और राजा मुथुपंडी के रजत तथा झंडू कुमार का कांस्य हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि भारत का खेल भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इन खिलाड़ियों ने केवल पदक नहीं जीते, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि प्रतिभा, परिश्रम और अवसर का संगम किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है।

ग्लासगो 2026 की यह शुरूआत भारतीय खेल इतिहास में केवल पदकों के लिए याद नहीं रखी जाएगी। इसे उस क्षण के रूप में भी याद किया जाएगा, जब भारत ने दुनिया से यह कहना शुरू किया कि वह खेलों में अब संभावनाओं का नहीं, उपलब्धियों का देश है। मीराबाई चानू की स्वर्णिम मुस्कान और भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि भारत खेल महाशक्ति बनने की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नाटो मुख्यालय में जासूसी का शक

ब्रुसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम में नाटो के सैन्य मुख्यालय के भीतर कथित जासूसी के आरोप में एक कनाडाई महिला इंटर्न को गिरफ्तार किया गया है। बेल्जियम के संघीय अभियोजक कार्यालय ने शनिवार को बताया कि नाटो की सुरक्षा सेवाओं से सूचना मिलने के बाद जासूसी की जांच शुरू की गई। इसके तहत गुरुवार को संदिग्ध के घर और नाटो के विशाल सैन्य परिचालन केंद्र स्थित उसके कार्यस्थल पर छापेमारी की गई। इसके अगले दिन शुक्रवार को अधिकारियों ने उसे हिरासत में ले लिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, गिरफ्तार महिला चीनी मूल की कनाडाई नागरिक है और उस पर किसी तीसरे देश के लिए जासूसी करने तथा एक आपराधिक संगठन की सदस्य होने का संदेह है। फिलहाल जांच जारी है और अधिकारियों ने मामले से जुड़ी अन्य जानकारियां सार्वजनिक नहीं की हैं। इस घटना ने नाटो की सुरक्षा व्यवस्था और संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों की निगरानी को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। नाटो के 32 सदस्य देशों में कनाडा और बेल्जियम दोनों शामिल हैं। वर्ष 2021 में नाटो ने अपनी रणनीतिक समीक्षा में चीन को रूस और मध्य-पूर्व से जुड़े खतरों के साथ एक प्रमुख सुरक्षा चुनौती बताया था। जिस सैन्य मुख्यालय में यह मामला सामने आया, उसे सुप्रीम हेडक्वार्टर एलाइड पावर्स यूरोप कहा जाता है। यह बेल्जियम के दक्षिणी शहर मॉन्स में फ्रांस की सीमा के पास स्थित है और यहीं से नाटो की संयुक्त सैन्य रणनीति, अभियानों और परिचालन की योजना बनाई जाती है। वहीं, संगठन का राजनीतिक मुख्यालय ब्रुसेल्स में है, जहां सदस्य देशों के राजदूत रक्षा खर्च, ड्रोन घुसपैठ, साइबर सुरक्षा और अन्य रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं। ऐसे संवेदनशील सैन्य केंद्र में कथित जासूसी का मामला सामने आने से नाटो की आंतरिक सुरक्षा, खुफिया निगरानी और सदस्य देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को लेकर बहस तेज होने की संभावना है।

पेरू सड़क हादसे में पांच की मौत

लीमा, एजेंसी। दक्षिणी पेरू में शनिवार को दो बसों की आपस में टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह टक्कर चिली सीमा के पास टैकना शहर में दक्षिणी पैनअमेरिकन हाईवे पर हुई। हिपोलिटो उनानुए दे टैकना अस्पताल के निदेशक एडी विसेंट ने बताया कि अधिकांश घायल स्थिर हैं। एक 24 वर्षीय व्यक्ति कई फ्रैक्चर के साथ गंभीर हालत में है। टक्कर का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका है। किसान अगस्टिन चोकेकोटा ने कहा, एक बस के लेन से भटकने के बाद उनकी पिकअप भी चपेट में आ गई। विशेषज्ञों का मानना है कि पेरू में सड़क परिवहन की निगरानी कमजोर है। आपातकालीन सहायता भी धीमी और अव्यवस्थित है। इसका समाधान कानूनी सुधारों में है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2025 में 3,428 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए।

टेक्सास में भारतीय-अमेरिकी छात्र की आत्महत्या, परिवार ने मांगी कानूनी समीक्षा

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एक 24 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी चिकित्सा छात्र वैभव दुग्गल ने जुलाई 2025 में आत्महत्या कर ली थी। शैक्षणिक अनुशासनात्मक कार्रवाई के बाद हुई इस घटना पर उनके परिवार ने कानूनी समीक्षा और प्रणालीगत नीतिगत सुधारों की मांग की है। परिवार ने संस्थागत विफलता और मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों की कमी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अपारदर्शी अनुशासनात्मक प्रक्रिया में उचित प्रक्रिया और पर्याप्त मानसिक स्वास्थ्य सहायता का अभाव था। इसी कारण वैभव को गंभीर मनोवैज्ञानिक परेशानी हुई, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। परिवार के वकालत अभियान ने जवाबदेही, स्वतंत्र समीक्षा और सुधार की मांग की है। यह मामला उच्च-दांव वाली व्यावसायिक शिक्षा में प्रणालीगत मुद्दों पर ध्यान आकर्षित कर रहा है। वकालत समूह अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अनिवार्य उचित प्रक्रिया सुरक्षा, आघात-सूचित अनुशासनात्मक प्रक्रियाओं और एकीकृत मानसिक स्वास्थ्य प्रतिक्रियाओं की मांग कर रहे हैं।

50 वर्ष पुराना महाविनाश का सिद्धांत सवालों के घेरे में

वाशिंगटन, एजेंसी। चंद्रमा के शुरुआती इतिहास को लेकर वैज्ञानिकों की 50 वर्षों से चली आ रही अवधारणा अब नए सिरे से जांच के दायरे में आ गई है। चीन के चांग-ई-6 मिशन द्वारा पहली बार चंद्रमा के पृथ्वी से हमेशा छिपे रहने वाले दूरस्थ (फारसाइड) हिस्से से लाए गए चट्टानी नमूनों के अध्ययन में ऐसे प्रमाण मिले हैं। इससे लेट हेवी बॉम्बार्डमेंट सिद्धांत पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। इसके अनुसार, चंद्रमा पर उल्कापिंडों की टक्करें किसी छोटे और विनाशकारी दौर में नहीं, बल्कि अरबों वर्षों तक धीरे-धीरे होती रहीं। शोधकर्ताओं ने कहा, यदि आगे के शोध भी इसकी पुष्टि करते हैं, तो न केवल चंद्रमा के विकासक्रम बल्कि प्रारंभिक पृथ्वी व जीवन की उत्पत्ति से जुड़ी वैज्ञानिक समय-रेखा पर भी नए सिरे से विचार करना पड़ सकता है।

ट्रंप को झटका, अमेरिकी अदालत ने एच-1बी वीजा पर फिर से भारी शुल्क लगाने की मांग ठुकराई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अपीलीय अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ दिए गए उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है, जिसमें अधीनस्थ अदालत ने उच्च कौशल वाले विदेशी कर्मचारियों के लिए एच-1बी वीजा पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने के निर्णय को रद्द कर दिया था। बोस्टन स्थित 'फर्स्ट सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स' के तीन जजों की पीठ ने संघीय सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अमेरिकी जिला न्यायाधीश लियो टी. सोरोकिन के आठ जून के फैसले पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। सोरोकिन ने इस शुल्क को अवैध टैक्स बताते हुए रद्द कर दिया था, क्योंकि यह कांग्रेस की मंजूरी के बिना लगाया गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल सितंबर में एक उद्घोषणा जारी कर नए एच-1बी वीजा प्राप्तकर्ताओं पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने का निर्णय लिया था। एच-1बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को ऐसे विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जिनके पास विशेष क्षेत्रों में सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता होती है। अमेरिका की आईटी कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों विशेषज्ञ कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए इसी वीजा पर निर्भर रहती हैं। अपीलीय अदालत ने 1989 में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि कार्यपालिका (सरकार) को यह स्पष्ट रूप से दिखाना होगा कि कांग्रेस ने उस पर वित्तीय बोझ चाहे उसे 'शुल्क' कहा जाए या 'कर', लगाने का विवेकाधिकार स्पष्ट शब्दों में प्रदान किया है। अदालत ने कहा, 'हालांकि, ट्रंप प्रशासन यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि इस कांग्रेस में कांग्रेस से स्पष्ट अधिकार मिलने की यह अनिवार्य शर्त क्यों लागू नहीं होनी चाहिए।

अदालत ने यह भी कहा कि प्रशासन यह साबित करने में विफल रहा कि अगर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी जाती है, तो वादी राज्यों को कोई गंभीर नुकसान नहीं होगा। अमेरिका हर साल 65,000 एच-1बी वीजा जारी करता है। इसके अलावा, उच्च शैक्षणिक योग्यता रखने वाले विदेशी पेशेवरों के लिए 20,000 अतिरिक्त वीजा भी जारी किए जाते हैं। इन वीजा पर वर्तमान में सामान्य रूप से 2,000 से 5,000 अमेरिकी डॉलर तक का शुल्क लिया जाता है। एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने का प्रस्ताव इस बीच, एक अमेरिकी सांसद ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें नए एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने तथा ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रत्येक एच-1बी आवेदन पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर के शुल्क को कानून का हिस्सा बनाने का प्रस्ताव किया गया है। मोंटाना से रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही ने कहा कि अमेरिका को ऐसे वीजा जारी नहीं करने चाहिए, जिनसे अमेरिकी कामगारों के अधिकारों को कमजोर करना आसान हो जाए. उन्होंने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा, 'एच-1बी कार्यक्रम की शुरुआत विशेष कौशल वाले और ऐसे पदों पर कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए की गई थी जिन्हें भरना मुश्किल हो, न कि योग्य और मेहनती अमेरिकी कामगारों की जगह कम वेतन वाले विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने के लिए.' विधेयक में नए एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने और इसके बाद इस कार्यक्रम को काफी अधिक कड़े नियमों और उच्च मानकों के साथ दोबारा शुरू करने का प्रस्ताव है।

कैस्पियन सागर में ईरानी जहाज पर यूक्रेन का हमला, तेहरान की खुली धमकी- अब भुगतने होंगे गंभीर नतीजे

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब केवल जमीनी सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है। यूक्रेन ने पहली बार कैस्पियन सागर में एक ईरानी जहाज को निशाना बनाकर संघर्ष को नया मोड़ दे दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, यह जहाज कथित तौर पर रूस के लिए सैन्य कार्गो ले जा रहा था। इस हमले के बाद ईरान और यूक्रेन के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है और तेहरान ने इस कार्रवाई को 'खुली आक्रामकता' करार दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक ऐसा कदम बताया है जो जंग की आग को और भड़का सकता है। तेहरान में तैनात यूक्रेन के ध्ध्हुद्दु स'ध्हुदध्ध्हुदध्हुद्ध को विशेष दर्ज कराने के लिए तलब किया गया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इस 'दुस्साहस' के लिए यूक्रेन और उसे उकसाने वाले उसके समर्थक देश पूरी तरह जिम्मेदार होंगे। हालांकि, हमले में जहाज को कितना नुकसान हुआ है, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। एक तरफ यूक्रेन ने समुद्र में पलटवार किया है, तो दूसरी तरफ रूस ने यूक्रेनी शहरों पर मिसाइलों की बरसात कर दी है। शनिवार रात रूस ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, जिसमें एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया।

गिलगित बाल्टिस्तान में भारी तबाही, अचानक आई बाढ़ से चौथे दिन भी संपर्क पूरी तरह कटा

इस्लामाबाद, एजेंसी। खबरों के अनुसार पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान (पीओजीबी) में आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड के कारण कई इलाकों का सड़क संपर्क लगातार चौथे दिन भी पूरी तरह से कटा हुआ है। बाढ़ से राष्ट्रीय राजमार्गों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे राहत और बहाली कार्य भी बहुत बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सड़कें बंद होने से हजारों स्थानीय निवासी और पर्यटक विभिन्न घाटियों में फंसे हुए हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को पेयजल, बिजली और संचार सेवाओं की भी भारी कमी का लगातार सामना करना पड़ रहा है। गिलगित-बाल्टिस्तान आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के महानिदेशक अताउर रहमान काकर ने इस गंभीर स्थिति पर अहम बयान दिया है। उन्होंने बताया कि 18 से 21 जुलाई के बीच क्षेत्र में रिकॉर्ड स्तर का तापमान दर्ज किया गया था। इस बढ़ती गर्मी से ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघले और कई स्थानों पर ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड की भयानक घटनाएं हुईं। नगर जिले की हिस्पर घाटी के निवासियों ने बताया कि सड़क संपर्क टूटने से मरीजों और छात्रों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घाटी में खाद्य सामग्री और जरूरी दवाइयों का स्टॉक बहुत तेजी से खत्म हो रहा है, जिससे हालात बिगड़ रहे हैं। वहीं, दियामेर, अस्तोर और घिजर जिलों के लोगों ने भी बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित होने की बड़ी शिकायत दर्ज कराई है। अस्तोर घाटी के परेशान लोगों ने स्थानीय प्रशासन पर राहत कार्यों की धीमी गति को लेकर अपनी गहरी चिंता जताई है। उनका कहना है कि घाटी का सड़क संपर्क पिछले तीन दिनों से पूरी तरह बाधित है, जिससे क्षेत्र अलग-थलग पड़ गया है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भारी बारिश के कारण पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में अचानक आई इस बाढ़ ने बहुत व्यापक तबाही मचाई थी। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, 13 जुलाई को दियामेर जिले में छह स्थानों पर फ्लैश फ्लड की खौफनाक घटनाएं दर्ज की गई थीं। इस भयानक बाढ़ में कई मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि काराकोरम हाईवे के कई हिस्सों को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है।

बर्लिन पुलिस का दावा- इस्लामी कट्टरपंथी समूहों से जुड़ा है आरोपी, संदिग्ध की तलाश तेज

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के प्राइड कार्यक्रम के दौरान हुए हमले के मामले में पुलिस ने संदिग्ध की पहचान कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपी का संबंध बर्लिन में सक्रिय इस्लामी कट्टरपंथी समूहों या नेटवर्क से है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी के लिए तेजी से छापेमारी की जा रही है। बर्लिन में शनिवार रात वार्षिक क्रिस्टोफर स्ट्रीट डे (प्राइड) कार्यक्रम के दौरान एक भारी भीड़ में घुस गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हुए हैं। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश के लिए, पुलिस ने बड़ा अभियान शुरू किया है। पुलिस अभी यह जांच कर रही है कि यह हादसा था या जानबूझकर किया गया हमला। वहीं, बर्लिन के मेयर काई वेगनर ने इसे शहर की आजादी और खुले समाज पर हमला बताया है। बर्लिन पुलिस के प्रवक्ता फ्लोरियन नाथ ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि जांच के शुरुआती चरण में ही संदिग्ध की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि आरोपी का नाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है, लेकिन वह पहले से पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज है और बर्लिन का ही रहने वाला है। उन्होंने आगे कहा, 'हमने शुरुआती जांच के आधार पर एक संदिग्ध की पहचान कर ली है। वह बर्लिन में सक्रिय इस्लामी समूहों से जुड़ा हुआ है और पुलिस उसे पहले से जानती है।' उन्होंने बताया कि संदिग्ध की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है और उसकी तलाश पूरी तेजी से जारी है। हालांकि, पुलिस ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि हमले का मकसद क्या था और घटना में कितने लोग घायल हुए। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। बर्लिन का प्राइड कार्यक्रम हर साल बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाता है। इस आयोजन में एलजीबीटीक्यू समुदाय के अधिकारों, समानता और विविधता के समर्थन में हजारों लोग शामिल होते हैं।

चीन पर टूटा टाइफून नोल का कहर, तीन लाख से अधिक लोगों को छोड़ना पड़ा घर; सैकड़ों उड़ानें रद्द

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिणी चीन के तटीय इलाकों में रविवार तड़के शक्तिशाली चक्रवाती तूफान नोल ने भीषण दस्तक दी। 145 किलोमीटर प्रति घंटे की तूफानी रफ्तार और मूसलाधार बारिश के साथ आए इस टाइफून ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। आपदा की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने ग्वांगडोंग प्रांत से अब तक 3,40,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया है।

तड़के 3:50 बजे हुआ लैंडफॉल : चीन के राष्ट्रीय मौसम केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, टाइफून नोल रविवार सुबह स्थानीय समयानुसार लगभग 3:50 बजे दक्षिणी ग्वांगडोंग प्रांत के हुइझोउ शहर स्थित हुइडोंग काउंटी के तट से टकराया। लैंडफॉल के वक्त हवाओं की गति बेहद डरावनी थी। हालांकि, हांगकांग वेधशाला का कहना है कि जमीनी हिस्से से टकराने के बाद यह तूफान धीरे-धीरे ग्वांगडोंग के अंदरूनी इलाकों की ओर बढ़ रहा है और इसकी तीव्रता में मामूली कमी दर्ज की गई है। तूफान का सबसे बड़ा असर यातायात व्यवस्था पर पड़ा है। हांगकांग एयरपोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, शनिवार और रविवार के बीच 150 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। वहीं, चाइना न्यूज सर्विस ने जानकारी दी कि सुरक्षा कारणों से ग्वांगडोंग प्रांत में रविवार को चलने वाली सभी ट्रेन सेवाओं को स्थगित कर दिया गया है। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, शनिवार दोपहर से ही लोगों को सुरक्षित निकालने का काम युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया था। नोल के असर से हांगकांग में शनिवार को एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत का मचान गिर गया, हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उधर, ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन ने बताया कि तूफान ताइवान के दक्षिण से गुजरते हुए भारी बारिश लेकर आया है, जिससे द्वीप के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में मौसम बिगड़ गया है। चीन के लिए जुलाई का महीना मौसम के लिहाज से काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। इस महीने की शुरुआत में टाइफून बावी ने पूर्वी चीन में कहर बरपाया था, जिसके कारण 20 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा था। उससे पहले 3 जुलाई को टाइफून मेसाक ने भी दक्षिणी चीन के तटों पर दस्तक दी थी। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि वीकेंड के दौरान ग्वांगडोंग और दक्षिण-पूर्वी फुजियान प्रांतों में भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। टाइफून नोल के प्रभाव से परिवहन सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार और रविवार को 150 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि गुआंगदोंग प्रांत में रविवार की कई ट्रेन सेवाएं भी स्थगित कर दी गईं। हांगकांग में तेज हवाओं के कारण एक ऊंची इमारत पर लगा मचान गिर गया।

धधक रहा यूरोप ! फ्रांस और स्पेन में तीन लाख से ज्यादा लोगों ने छोड़ा घर, जलकर खाक हुए लाखों हेक्टेयर जंगल

पेरिस, एजेंसी। यूरोप के कई देश इन दिनों भीषण गर्मी और जंगलों में लगी बेकाबू आग की चपेट में हैं। फ्रांस और स्पेन में हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि अब तक करीब 3,40,000 से अधिक लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। तेज हवाओं और रिकॉर्ड तापमान ने आग को बुझाने के प्रयासों को और भी मुश्किल बना दिया है, जिससे अधिकारी इस संकट को नियंत्रण से बाहर बता रहे हैं।

फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित बोर्दो शहर की ओर बढ़ रही आग ने अब प्रशासन की नींद उड़ा दी है। यहां के गिरोंडे और लैंडेस क्षेत्रों से अब तक लगभग 2,00,000 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। आग की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि धुएं की गंध 100 मील दूर तक महसूस की जा रही है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे एक अभूतपूर्व स्थिति बताते हुए राहत कार्यों के लिए सेना को मैदान में उतार दिया है। आग की वजह से पैदा हुए सुरक्षा संकट के कारण दुनिया की मशहूर साइकिल रेस 'टूर डी फ्रांस' के अंतिम चरण के रूट को भी छोटा करना पड़ा है। दमकल अधिकारियों का कहना है कि आग इतनी भीषण है कि वह अपनी खुद की हवाएं और बवंडर पैदा कर रही है, जिससे इस पर काबू पाना लगभग असंभव हो रहा है।

स्पेन में भी स्थिति भयावह बनी हुई है, जहां सरकार ने आपातकाल घोषित कर दिया है। राजधानी मैड्रिड और आसपास के इलाकों से करीब 60,000 लोगों को विस्थापित किया गया है। वैलेंसिया क्षेत्र में आग की चपेट में आने से 70 वर्षीय एक व्यक्ति की कार में मौत होने की दुखद खबर भी सामने आई है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने स्वीकार किया है कि आने वाले समय में चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक स्पेन में 1,30,000 हेक्टेयर और फ्रांस में 98,000 हेक्टेयर जंगल जलकर खाक हो चुके हैं। यूरोपीय संघ की संकट प्रबंधन आयुक्त हाजा लहबीब ने चेतावनी दी है कि आग लगने का सिलसिला समय से पहले शुरू होने के कारण इस साल तबाही के पिछले सभी रिकॉर्ड टूट सकते हैं। इस महासंकट से निपटने के लिए यूरोपीय संघ ने एकजुटता दिखाते हुए मदद भेजी है।

ट्रंप के दो अफसरों को नहीं मिला वीजा, ब्राजील चुनाव में दखल देने की साजिश हुई नाकाम

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील ने ट्रंप प्रशासन के दो बड़े अधिकारियों को वीजा देने से साफ तौर पर इनकार कर दिया है। इन दोनों अमेरिकी अधिकारियों पर देश की चुनावी व्यवस्था और प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाने की बड़ी साजिश रचने का आरोप लगा है। सूत्रों के अनुसार यह माना जा रहा था कि अमेरिकी अधिकारियों का यह ब्राजील दौरा अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को सीधे तौर पर प्रभावित करने की कोशिश थी। यह चुनाव वामपंथी राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा और ट्रंप समर्थक फ्लावियो बोल्सोनारो के बीच होगा। वीजा आवेदन खारिज होने वाले इस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में डेमोक्रेसी, ह्यूमन राइट्स एंड लेबर के सहायक सचिव रिले एम. बार्न्स शामिल थे। उनके साथ डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी सैमुअल सैमसन भी ब्राजील जाने वाले थे, लेकिन शुक्रवार को उनके वीजा आवेदन ठुकरा दिए गए। एक ब्राजीलियाई अधिकारी ने बताया कि वीजा आवेदन खारिज करने का यह बड़ा फैसला खुफिया सबूतों के आधार पर लिया गया है। ये सबूत पूरी तरह से यह इशारा करते हैं कि वे चुनावी व्यवस्था को कमजोर करने और राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे थे। ब्राजील के इस बड़े चुनाव में हस्तक्षेप की यह सनसनीखेज कोशिश ऐसे समय में सामने आई है जब ट्रंप प्रशासन लैटिन अमेरिका में सक्रिय है। डोनाल्ड ट्रंप लैटिन अमेरिका के कई देशों में लगातार राजनीतिक घटनाक्रम को अपने अनुसार प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल ही में कोलंबिया के राष्ट्रपति अबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला और अर्जेंटीना के जेवियर मिलेई का भी खुलकर समर्थन किया था। इससे पहले वे चिली के जोस एंटोनियो कास्ट जैसे दक्षिणपंथी नेताओं का भी मंच से बहुत ही खुलकर अपना समर्थन कर चुके हैं। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने साल 2022 के चुनाव से पहले देश की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाए थे। जायर बोल्सोनारो की यह पूरी रणनीति अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साल 2020 के चुनाव के बाद अपनाए गए रुख से बिल्कुल मिलती है। उस ऐतिहासिक चुनाव में मौजूदा राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने बड़ी जीत दर्ज की थी जिसके बाद बोल्सोनारो को 2030 तक चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया। बाद में बोल्सोनारो को सत्ता में बने रहने की साजिश के आरोप में 27 साल की जेल हुई और वह हाउस अरेस्ट में हैं। अब ब्राजील में नए चुनावी चक्र की शुरुआत के साथ ही फ्लावियो बोल्सोनारो अपने पिता की पुरानी राजनीतिक विरासत को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने देश की चुनावी व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर एक बार फिर से भारी संदेह फैलाना शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में फिर से हुआ जोरदार धमाका, दो लोगों की मौत, जांच जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में एक बार फिर से अशांति और खौफ का माहौल है। शनिवार को उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में एक बहुत ही जोरदार धमाका हुआ है। इस भयानक धमाके में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है और पूरे इलाके में भारी दहशत फैल गई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस और सुरक्षाबलों ने मौके पर पहुंचकर अपनी जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि इस जानलेवा हमले के समय मौके पर एक स्थानीय नेता भी मौजूद थे जो बाल-बाल बच गए। पुलिस ने हमले में मारे गए दोनों लोगों के शवों को कब्जे में लेकर खार अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी तक किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस बड़े और खौफनाक धमाके की जिम्मेदारी आधिकारिक रूप से नहीं ली है। धमाके के बाद से ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल स्पष्ट रूप से बना हुआ है।

बाजौर जिले में हुआ धमाका : यह दिल दहला देने वाली घटना अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में घटी है। सलारजई तहसील में स्थित ताली बांध के पास यह जोरदार धमाका हुआ जिसने सबको चौंका दिया। पुलिस के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में अपनी जान गंवाने वाले दोनों लोग बाजौर जिले के ही रहने वाले थे। मारे गए लोगों की पहचान सुलेमान कारी और गुलाम के रूप में स्पष्ट तौर पर की गई है।

लगातार हो रहे हैं आतंकी हमले : उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत पिछले कुछ सालों से लगातार भारी अशांति का सामना कर रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह यहां बढ़ रही उग्रवादी हिंसा और अफगानिस्तान से लड़ाकों की सीमा-पार आवाजाही है। इलाके में बार-बार होने वाले सैन्य अभियानों के कारण भी आम जनता को काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' यहां लगातार हिंसक हमलों को आसानी से अंजाम देता रहा है।

टीटीपी ने बढ़ाई मुश्किलें : पाकिस्तान की संघीय सरकार का साफ आरोप है कि आतंकी संगठन टीटीपी ने नवंबर 2022 में संघर्ष-विराम समझौता तोड़ दिया था। इसके बाद से ही अफगानिस्तान से सटे प्रांतों में आतंकी हमलों की संख्या में काफी ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। इन हमलों में न सिर्फ आम नागरिक बल्कि सुरक्षाबलों को भी अपना निशाना लगातार और बेरहमी से बनाया जा रहा है। सरकार और पुलिस इस पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए अपनी तरफ से लगातार कड़े प्रयास कर रही है।

पहले भी गई 15 जवानों की जान : इससे पहले 24 जुलाई को भी पाकिस्तान के इसी प्रांत में एक बहुत ही बड़ा आत्मघाती हमला हुआ था। बन्नू जिले में एक हमलावर ने विस्फोटकों से भरी अपनी गाड़ी सुरक्षा चौकी से सीधे टकरा दी थी। उस भयानक आत्मघाती हमले में सेना के 12 सैनिकों और 2 पुलिसकर्मियों सहित 15 सुरक्षाकर्मियों की दर्दनाक मौत हो गई थी। मृतकों में वन विभाग का एक पूर्व सरकारी अधिकारी भी शामिल था, जो आतंकवाद की भयावहता को साफ दर्शाता है।

कैसे बनाएं अपने लिविंग रूम को खूबसूरत और हटके? ट्राई करें ये बेहतरीन प्रोडक्ट्स

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है।

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है। लेकिन क्या आपका लिविंग रूम अब बोरिंग और पुराना हो गया है? क्या आपको भी लगता है कि इस जगह को थोड़ा नयापन चाहिए, वो भी बिना ज़्यादा खर्च किए? अगर हाँ, तो आपको बस अपनी सजावट में थोड़ा क्रिएटिव टच जोड़ने की जरूरत है। आइए जानते हैं कुछ बेहतरीन और आसान डेकोरेशन टिप्स जो आपके लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ा देंगे।

दीवारों को सजाएँ

दीवारें किसी भी कमरे का मूड सेट करती हैं। आप अपने लिविंग रूम की दीवारों को हल्के पेस्टल शेड्स से पेंट कर सकते हैं या वॉलपेपर लगा सकते हैं। आजकल ट्रेंडी वॉल आर्ट भी काफी पसंद किए जा रहे हैं।

कुशन और पर्दों से मूड बदलें

लिविंग रूम में सोफ़े या कुर्सी का लुक बदलना मुश्किल हो सकता है, लेकिन आप कुशन कवर और पर्दों को बदलकर पूरे कमरे का लुक आसानी से बदल सकते हैं। चटख, कॉन्ट्रास्टिंग रंगों और पैटर्न वाले कपड़ों का इस्तेमाल करें। मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, गर्मियों में सूती और सर्दियों में मखमल या रेशमी।

पौधे लगा सकते हैं

पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि आपके घर को एक प्राकृतिक और ताज़ा रूप भी देते हैं। स्नेक प्लांट, मनी प्लांट या एरेका पाम जैसे इनडोर पौधे आपके लिविंग रूम को सुंदर और शांत बना सकते हैं। कोने की मेज या खिड़की पर छोटे पौधे सजाएँ।

प्रकाश व्यवस्था का सर्वोत्तम उपयोग करें

सिर्फ़ अच्छी रोशनी ही लिविंग रूम के रूप को निखार सकती है। हल्की पीली लाइटें, फ्लोर लैंप या फेयरी लाइटें कमरे को आरामदायक और आकर्षक बना सकती हैं। सेंटर लाइट के साथ कुछ साइड लैंप भी लगाएँ।

एक्सेसरीज़ से जोड़ें अपना निजी स्पर्श

फोटो फ्रेम, कैंडल स्टैंड, बुक शेल्फ़ या हाथ से बनी कलाकृतियाँ, ये सभी आपके लिविंग रूम को अनोखा और आपके व्यक्तित्व के अनुरूप बना सकते हैं।

लिविंग रूम को नया रूप देना कोई महंगा या मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ी सी रचनात्मक सोच, कुछ किफायती सजावट के आइडिया और सही संयोजन से, आप अपने लिविंग रूम को स्टाइलिश, सुंदर और खास बना सकते हैं। तो देर किस बात की? इन सुझावों को आज़माएँ और अपने घर को एक नया और ताज़ा एहसास दें।

घर हमेशा दिखता है बिखरा और गंदा? ऑर्गेनाइज करने के लिए फॉलो करें 7 टिप्स, लाइफ बनेगी आसान

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में साफ-सुथरे और ऑर्गेनाइज्ड घर की चाहत तो सबको होती है, लेकिन समय की कमी, थकान और दिनभर के तनाव के बीच अक्सर घर बिखरा हुआ और अस्त-व्यस्त नजर आता है। चाहे आप गृहिणी हों, ऑफिस जाने वाले प्रोफेशनल या स्टूडेंट — गंदा और बिखरा घर मानसिक शांति को भी प्रभावित करता है। साइकोलॉजिकल स्टडीज़ भी बताती हैं कि साफ और व्यवस्थित घर में रहने वाले लोग अधिक फोकस्ड और मानसिक रूप से शांत रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ आसान आदतों और स्मार्ट टिप्स को अपनाकर अपने घर को साफ और ऑर्गेनाइज रख सकें। यहां हम आपको बता रहे हैं 7 आसान और कारगर टिप्स, जिन्हें फॉलो करके न सिर्फ आपका घर हमेशा चमकता रहेगा, बल्कि आपकी लाइफ भी बेहतर और आसान बन जाएगी।

1. हर चीज़ की तय जगह बनाएं

घर में जितनी चीजें हैं, अगर उनकी एक फिक्स जगह तय हो जाए तो आधा काम वहीं खत्म हो जाता है। चाबियों के लिए की-होल्डर, रिमोट्स के लिए बॉक्स और जूतों के लिए शू-रैक जैसे साधारण उपाय घर को ऑर्गेनाइज रखने में मदद करते हैं।

2. वन इन, वन आउटफ़ रूल अपनाएं

जब भी कोई नई चीज़ घर लाएं, तो एक पुरानी या अनुपयोगी चीज को बाहर निकाल दें। इससे फालतू सामान जमा नहीं होगा और घर में जगह भी बनी रहेगी।

3. 10 मिनट क्लीनिंग रूटीन

हर दिन सिर्फ 10 मिनट का समय घर की सफाई को दें। आप चाहें तो सुबह उठते ही या रात सोने से पहले ये कर सकते हैं। इससे गंदगी जमा नहीं होगी और सफाई एक बोझ की तरह महसूस नहीं होगी।

4. स्मार्ट स्टोरेज का करें इस्तेमाल

बाजार में आजकल स्टोरेज बॉक्स, प्लास्टिक कंटेनर और ऑर्गेनाइज़र डिवाइडर उपलब्ध हैं। इनका इस्तेमाल करके आप कपड़ों, बर्तनों, किताबों या बच्चों के खिलौनों को अच्छी तरह जमा सकते हैं।

5. साप्ताहिक %डिक्लटर डे%

हफ्ते में एक दिन ऐसा रखें जब आप घर की अनावश्यक चीजों की छंटाई करें। पुराने अखबार, खराब इलेक्ट्रॉनिक्स या बेकार कपड़े - जो भी ज़रूरी नहीं है, उसे अलग करें।

6. रात में 5 मिनट का राउंड

सोने से पहले घर का एक चक्कर लगाएं और देखें कि कौन सी चीज़ अपनी जगह से हट गई है। उन्हें वापस रख दें। इससे सुबह उठने पर घर साफ मिलेगा और दिन की शुरुआत बेहतर होगी।

7. नो डंप जोनफ़ बनाएं

ऐसे स्थान तय करें जहां कोई भी चीज़ बिना सोचे-समझे न रखी जाए, जैसे डाइनिंग टेबल, सेंटर टेबल या एंट्रेंस एरिया। यह आदत आपके घर की सुंदरता बनाए रखेगी।

नया घर बनाते समय इन बातों का जरूर रखें ध्यान वरना उठाना पड़ेगा भारी नुकसान

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है।

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है। जब आप घर बनवा रहे होते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है ताकि वह रहने के लिए एक अच्छा और सुखद स्थान बन जाए। क्योंकि घर रोज-रोज नहीं बनता, इसलिए घर बनवाते समय वास्तु का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने के लिए कुछ नियमों का पालन किया जाता है। इससे घर में रहने वाले लोगों की खुशियां और तरक्की बढ़ती है। वास्तु शास्त्री अंशुल त्रिपाठी बता रहे हैं कि घर बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भूमि पूजन घर बनवाने से पहले भूमि पूजन करना बहुत शुभ माना जाता है। धरती को मां माना जाता है, इसलिए घर बनवाते समय खुदाई शुरू करने से पहले उसका सम्मान करना जरूरी होता है। इसे शुभ शुरुआत माना जाता है और इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

कुआं

घर बनवाते समय उत्तर-पूर्व दिशा में कुआं खोदें और उसी पानी का इस्तेमाल घर बनवाने में करें। इससे सौभाग्य की प्राप्ति होती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में कुआं बनवाना अशुभ माना जाता है, इससे घर में परेशानी आ सकती है।

दरवाजा

दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई दरवाजा नहीं होना चाहिए। उत्तर या पूर्व दिशा में दरवाजा शुभ माना जाता है। दरवाजे अंदर की ओर खुलने चाहिए, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करे। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजे से सकारात्मक ऊर्जा बाहर की ओर प्रवाहित होती है।

पानी की निकासी

घर का गंदा पानी भी उत्तर-पूर्व दिशा में ही निकलना चाहिए।

पुराना घर खरीदते समय

अगर आप पुराना घर खरीद रहे हैं, या खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो उसे जरूर रंगवा लें। अगर आप खुद रंगवा सकते हैं या उसमें मदद कर सकते हैं, तो और भी अच्छा रहेगा। ऐसा करने से घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आएगी।

घर बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

मुख्य द्वार के सामने लगे पेड़ को हटाना।

बेडरूम में पलंग को दीवार से सटाकर रखें।

रसोई में गैस चूल्हे का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए।

मंदिर घर के उत्तर-पूर्व कोने में होना चाहिए।

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

घर का लेआउट और व्यवस्था हमारे स्वास्थ्य और खुशी को प्रभावित कर सकती है।

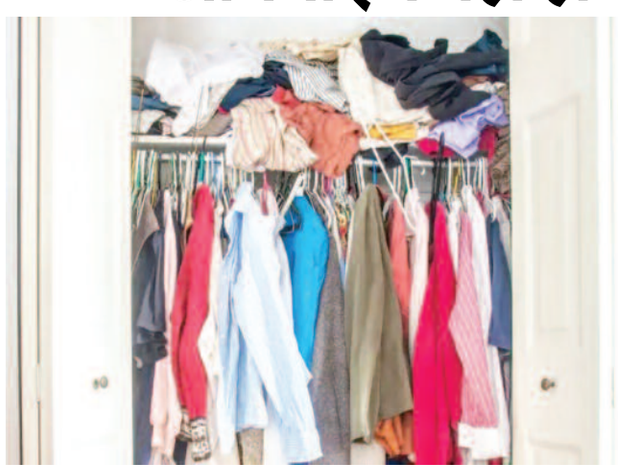

हमेशा बिखरी हुई रहती है अलमारी, इन 5 तरीकों से रखें ऑर्गेनाइज नहीं होगी कपड़े ढूंढने में तकलीफ

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है?

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है? दरअसल, हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियाँ कर देते हैं जिनकी वजह से हमारी अलमारी हमेशा अव्यवस्थित रहती है। लेकिन अगर आप चाहें, तो छोटे-छोटे बदलावों से अलमारी को पूरी तरह साफ़, सुथरा और व्यवस्थित बना सकते हैं, तो आइए जानते हैं कि आप अपनी अलमारी को कैसे व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि आपके कपड़े व्यवस्थित और व्यवस्थित रहें।

पुराने और टाइट कपड़े हटाएँ

कई बार हम अलमारी में ऐसे कपड़े रख देते हैं जो अब हमें फिट नहीं आते या जिन्हें हमने पहनना बंद कर दिया है। ये कपड़े न सिर्फ़ जगह घेरते हैं बल्कि ज़रूरत के कपड़े ढूँढ़ना भी मुश्किल बना देते हैं। अगर आपके पास भी ऐसे कपड़े हैं, तो समय-समय पर उन्हें व्यवस्थित करना ज़रूरी है।

व्यवस्था प्रणाली अपनाएँ

जब अलमारी में कपड़ों को व्यवस्थित तरीके से रखने या रोज़मर्रा के कपड़ों को एक साथ रखने जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, तो चीज़ें जल्दी बिखर जाती हैं। अगर आप अपने कपड़ों को रोज़ाना सही और व्यवस्थित तरीके से रखें, तो चीजें आसानी से बिखर सकती हैं।

गलत हैंगर का इस्तेमाल

कई लोग भारी जैकेट या कोट के लिए कमज़ोर प्लास्टिक के हैंगर इस्तेमाल करते हैं जिससे कपड़े गिर जाते हैं या खराब हो जाते हैं। हर कपड़े के लिए सही हैंगर का इस्तेमाल करना बहुत ज़रूरी है ताकि कपड़े अपनी शेप में रहें और अलमारी साफ़-सुथरी दिखे। इसलिए भारी कपड़ों के लिए अलग और हल्के कपड़ों के लिए अलग हैंगर रखें।

अलमारी में जगह कम होना

कई लोगों की अलमारी में जगह कम होती है और अगर कपड़े ज़्यादा हों, तो उनका बिखरना स्वाभाविक है। ऐसे में शेल्फ डिवाइडर, स्टोरेज बॉक्स या मल्टी-लेयर हैंगर जैसे स्मार्ट स्टोरेज उपाय मददगार हो सकते हैं। ऐसा करने से कम जगह में ज़्यादा चीज़ें आ सकती हैं।

गलत तरीके से तह किए हुए कपड़े

कई बार कपड़ों को गलत तरीके से तह करने से चीज़ें खराब हो जाती हैं और अलमारी अव्यवस्थित लगती है। सही तह करने की तकनीक अपनाकर और उन्हें श्रेणी के अनुसार व्यवस्थित करके, आप जगह भी बचा सकते हैं और अलमारी को साफ़ भी रख सकते हैं।

कम बजट में घर को दें इंस्टाग्राम जैसा एस्थेटिक लुक, ये चीजें करेंगी कमाल

आजकल सोशल मीडिया पर खासकर इंस्टाग्राम पर कई ऐसे खूबसूरत रूम डेकोरेशन रील्स दिखती हैं जिन्हें देखकर मन करता है कि काश हमारा घर भी ऐसा ही स्टाइलिश और क्लासी होता। लेकिन हर कोई महंगे इंटीरियर पर खर्च नहीं कर सकता। ऐसे में अगर आप भी अपने आशियाने को नया लुक देना चाहते हैं तो परेशान न हों। कुछ सिंपल और किफायती चीजों से आप अपने घर को भी इंस्टाग्राम-लायक बना सकते हैं। आइए जानें कुछ आसान, सुंदर और बजट-फ्रेंडली आइडियाज।

घर को एलिगेंट लुक देने वाले इनडोर प्लांट्स

बड़े साइज के पौधे घर में एक अलग ही ताजगी और खूबसूरती लेकर आते हैं। आप एरेका पाम या स्नेक प्लांट जैसे पौधे लगा सकते हैं, जो दिखने में स्टाइलिश होते हैं और हवा को भी शुद्ध करते हैं। इनका रख-रखाव भी आसान है और ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते।

लाइट कलर के पर्दों से बदलें कमरों का माहौल

पर्दों का रंग और फैब्रिक पूरे कमरे की फील को बदल सकता है। अगर आप अपने रूम को बड़ा, खुला और शांत दिखाना चाहते हैं तो व्हाइट, बेबी पिंक या बेज कलर के हल्के पर्दे लगाएं। ये रंग कमरे को आरामदायक और क्लासी लुक देते हैं।

फेयरी लाइट्स से लाएं रोशनी में जादू

हल्के रंग के पर्दों के साथ अगर आप फेयरी लाइट्स जोड़ देंगे तो आपका कमरा शाम के समय किसी मूवी सीन जैसा लगेगा। ये लाइट्स सॉफ्ट और वॉर्म इफेक्ट देती हैं, जिससे रूम और भी ज्यादा एस्थेटिक नजर आता है।

स्टैंडिंग लैम्प से बढ़ाएं रॉयल टच

अगर आप कमरे में मॉडर्न लुक लाना चाहते हैं तो एक अच्छा स्टैंडिंग लैम्प जरूर लगाएं। ये न सिर्फ लाइटिंग को बेहतर बनाता है बल्कि कमरे की शोभा भी बढ़ाता है। अगर आप किताबें पढ़ते हैं या घर से काम करते हैं, तो ये बेहद काम की चीज है।

वॉल आर्ट और फोटो फ्रेम से दीवारों को सजाएं

खाली दीवारें अक्सर उबाऊ लगती हैं। आप चाहें तो मोटिवेशनल कोट्स, सिंपल वॉल आर्ट या फिर अपनी यादों से भरे फोटो फ्रेम्स दीवारों पर लगा सकते हैं। इससे घर में पर्सनल टच आता है और हर दीवार एक कहानी कहने लगती है।

अरोमा डिफ्यूजर और कैंडल्स से महकाएं कमरा

कमरे की खुशबू उसका माहौल बदल सकती है। एक अच्छा अरोमा डिफ्यूजर आपके रूम को महकाने के साथ-साथ मन को भी शांत करता है। आप चाहें तो लैवेंडर, लेमन ग्रास या रोज फ्लेवर की कैंडल्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे कमरे में सुकून का एहसास होगा।

आपको अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए हजारों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ छोटे बदलाव और बजट-फ्रेंडली चीजों से भी आपका घर बिल्कुल इंस्टाग्राम जैसा दिख सकता है - क्लासी, शांत और आपके दिल के बेहद करीब।

पात्र व्यक्ति प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित न रहे : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार, गोपेश्वर में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त 22 शिकायतों पर सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। सुभाष नगर निवासी सुरेंद्र सिंह ने मकान तक पहुंचने के मार्ग से संबंधित समस्या उठाई। इस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। छुम्ला देवी, निवासी नंदानगर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भवन निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध न होने की समस्या रखी। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को प्रकरण की जांच कर भूमिहीन श्रेणी के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही खंड विकास कार्यालय से भी रिपोर्ट तलब करते हुए निर्देशित किया कि यदि आवेदिका नियमानुसार भूमिहीन पाई जाती हैं तो उन्हें भवन निर्माण हेतु आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। ग्राम प्रधान डूंगा द्वारा प्राथमिक विद्यालय की चारदीवारी निर्माण की मांग पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मनरेगा के माध्यम से कार्य कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित एक शिकायत पर जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में सभी प्रधानमंत्री आवास के मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। इसके लिए पूर्व में सर्वेक्षण से जुड़े अधिकारियों से अलग अधिकारियों व कार्मिकों की नियुक्ति कर जांच कराई जाए तथा विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कोई भी पात्र लाभार्थी योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, उपजिलाधिकारी राजकुमार पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

यमुनोत्री हाईवे : मलबा गिरने से आवाजाही रही बाधित

बड़कोट। यमुनोत्री क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से सोमवार तड़के स्यानाचट्टी और सिलाई बैंड के पास पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने से यमुनोत्री हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। मार्ग बंद होने से सुबह के समय यात्रियों और स्थानीय लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, बरसात के कारण तीन लिंक मार्ग बंद होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का समाना करना पड़ रहा है।

सोमवार तड़के स्यानाचट्टी और सिलाई बैंड के पास पहाड़ी से मलबा और पत्थर आने से यमुनोत्री हाईवे बंद हो गया। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से हाईवे से मलबा हटाने का काम शुरू किया। विभाग की त्वरित कार्रवाई के बाद सुबह करीब 7:30 बजे तक मार्ग को साफ कर वाहनों की आवाजाही के लिए सुचारु कर दिया गया।

एनएच के अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने बताया कि मौसम अनुकूल रहने पर निर्माण कार्य एजेंसी को संवेदनशील स्थानों पर तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। ताकि बारिश के दौरान हाईवे पर यातायात कम से कम प्रभावित हो। वहीं, क्षेत्र के स्याबा–बायणा, ओसला और सारला लिंग मोटर मार्ग अभी भी बंद पड़े हैं।

संक्षिप्त समाचार

कंचनगंगा में अधर में लटका पुल, हाईवे पर बढ़ी श्रद्धालुओं की मुश्किल

गोपेश्वर। कंचनगंगा के पास करीब 150 मीटर बदरीनाथ हाईवे बदहाल है। बदरीनाथ धाम से करीब दो किमी पहले स्थित इस स्थान पर तीन वर्ष पहले बीआरओ ने मोटर पुल निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया था। निर्माण भी शुरू किया गया मगर अब निर्माण कार्य अधर में लटका है। इसका खामियाजा तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों को उठाना पड़ रहा है। बरसात के दौरान कंचनगंगा के उफान पर आने से हाईवे पर आवाजाही प्रभावित हो जाती है और वाहनों की आवाजाही जोखिम भरी हो जाती है। वहीं शीतकाल में हिमखंड गिरने से हाईवे को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में इस स्थान पर स्थायी पुल की आवश्यकता और बढ़ गई है। बदरी–केदार मंदिर समिति के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने कहा कि कंचनगंगा में मोटर पुल का निर्माण आवश्यक है। लंबे समय से हाईवे की खराब स्थिति के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी झेलनी पड़ रही है। वहीं बीआरओ के अधिकारियों का कहना है कि कंचनगंगा के समीप पुल निर्माण कार्य निर्माणाधीन है। भूधंसाव होने के कारण कार्य रुका था इसे फिर से शुरू किया जाएगा। मौके पर निर्माण सामग्री भी पहुंच गई है।

बगोली–जेंटा–कोटी मार्ग का पांच किमी हिस्सा खस्ताहाल

कर्णप्रयाग। भारी बारिश और सुरक्षा दीवारों के अभाव में बगोली–जेंटा–कोटी मार्ग का पांच किलोमीटर हिस्सा (कोल्सों से मटियाला तक) खस्ताहाल हो गया है। ऐसे में क्षेत्र की दस से अधिक ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को आवाजाही में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। पिछले साल ही पीएमजीएसवाई ने करीब 10 करोड़ रुपये से इस मार्ग का डामरीकरण कराया था लेकिन ऊपरी हिस्सों पर सुरक्षा दीवारें न बनने के कारण लगातार हो रहे भूस्खलन से सड़क पर मलबा और कीचड़ जमा रहता है। जिला पंचायत सदस्य विक्रम सिंह कठैत ने सुरक्षा दीवारें बनाने की मांग की है। वहीं पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता सचिन कुमार ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों को चिह्नित कर करीब 90 लाख रुपये का इस्टीमेट स्वीकृति के लिए भेज दिया गया है। वित्तीय मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

शिकायतों का प्राथमिकता से करें समाधान: डीएम

गोपेश्वर। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध और प्रभावी समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोर्टल केवल औपचारिक कार्रवाई दर्ज करने का माध्यम न बने बल्कि प्रत्येक शिकायत का वास्तविक निस्तारण किया जाए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में डीएम ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर 36 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों की एक–एक कर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी लंबित मामलों का समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक में वाहन चालकों की ओर से अधिक किराया वसूले जाने, नामांतरण, सड़क का नाम बदलने समेत विभिन्न शिकायतों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि केवल शिकायतों ही नहीं, बल्कि मांग और सुझाव से जुड़े मामलों पर भी सकारात्मक कार्रवाई की जाए। इस मौके पर सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, एडीएम विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, एसडीएम राजकुमार पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

लंबगांव में दो मेडिकल स्टोरों के संचालन पर रोक

लंबगांव (टिहरी)। औषधि प्रशासन विभाग की पहल पर सोमवार को लंबगांव बाजार स्थित मेडिकल स्टोरों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। वरिष्ठ औषधि निरीक्षक सीपी नेगी, औषधि निरीक्षक ऋषभ धामा और पुलिस विभाग की टीम ने मेडिकल स्टोरों में औषधियों की बिक्री और भंडारण सहित जरूरी अभिलेखों की जांच की। निरीक्षण के दौरान दो औषधि विक्रय फर्मों में अनियमितताएं मिली। संचालक मेडिकल स्टोर संचालन से संबंधित बिल, स्टॉक और अन्य आवश्यक विवरण प्रस्तुत नहीं कर पाए। दोनों फर्मों के औषधि क्रय–विक्रय पर रोक लगा दी गई। टीम ने मेडिकल स्टोरों में सीसीटीवी कैमरे, औषधियों के क्रय–विक्रय के अभिलेख, भंडारण स्थिति की जांच की। औषधि निरीक्षक ऋषभ धामा ने बताया कि अनियमितताएं मिलने पर दो फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और निर्धारित समय में कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए।

विज्ञान प्रदर्शनी में कार मॉडल को मिला पहला स्थान

नई टिहरी। न्यू टिहरी इंटरनेशनल स्कूल (एनटीआईएस) पैन्यूला में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र आदित्य, अभिनव, उमंग और आदित्य नेगी का एडवांस्ड कार मॉडल को पहला स्थान मिला। विज्ञान प्रदर्शनी का बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ऋषि कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी चंबा मो. तस्लीम कुरैशी, पीजी कॉलेज नई टिहरी के भौतिक विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. राजकुमार त्यागी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

निराकोट गांव को जोड़ने वाला पैदल मार्ग भू–धंसाव से क्षतिग्रस्त

उत्तरकाशी। जनपद के निराकोट को जोड़ने वाले पैदल मार्ग पर जगह–जगह भू–धंसाव होने के कारण वह क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे ग्रामीणों को पहाड़ी पर जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ रही है। मार्ग पर हो रहे भू–धंसाव के कारण जसपुर गांव के भवनों पर भी खतरा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क कटिंग के बाद से जसपुर सहित सिल्याण गांव और निराकोट गांव के पैदल मार्ग पर हर बरसात में भू–धंसाव के साथ भूस्खलन जारी है।

स्थानीय निवासी विकास नौटियाल, पूर्व प्रधान जितेंद्र गुसाईं, रजनीश भट्ट, सर्वेश भट्ट ने कहा कि जसपुर से निराकोट को जोड़ने वाला करीब दो किमी का पैदल मार्ग जगह–जगह से भू–धंसाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे निराकोट गांव के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। क्योंकि सड़क से न जुड़ने के कारण गांव को जोड़ने वाला यह ही एक मुख्य

मार्ग है। इसलिए क्षतिग्रस्त मार्ग पर लोग जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं।

दूसरी ओर इस मार्ग पर भू–धंसाव होने के कारण इसके आसपास जसपुर गांव की आवासीय बस्ती पर भी खतरा बढ़ गया है। बरसात में भू–धंसाव अधिक होने के कारण इसकी चपेट में आवासीय भवन आने से बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान मानकों के विपरीत की गई कटिंग के कारण पिछले कुछ वर्षों से जसपुर, सिल्याण गांव में भू–धंसाव का खतरा अधिक बढ़ गया है। सिल्याण और जसपुर में कई घरों में दरारें पड़ी हुई है। जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की ओर से मात्र सर्वे कर हर साल अपना पल्ला झाड़ दिया जाता है लेकिन आज तक सुरक्षात्मक कार्य शुरू नहीं हो पाए हैं।

पीएम आवास योजना से जुड़े मामलों की जांच कराएं सभी एसडीएम

गोपेश्वर। जिलाधिकारी ने सोमवार को आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में लोगों की विभिन्न शिकायतें और समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़ी एक शिकायत पर डीएम ने सभी एसडीएम को निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि पीएम आवास योजना के सर्वेक्षण में पहले तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों से अलग टीम बनाकर जांच कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जांच की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि योजना के तहत कोई भी पात्र लाभार्थी लाभ से वंचित न रहे। जनता मिलन में किमाणा–जखोला क्षेत्र के ग्रामीणों ने जीआईसी जखोला में शिक्षकों की कमी, गैस सिलिंडर की उपलब्धता और मोबाइल नेटवर्क की समस्या उठाई।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को इन समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इसके अलावा मनरेगा, घरों के पास से गुजर रही विद्युत लाइन, पैदल मार्ग सहित अन्य जनसमस्याएं भी अधिकारियों के समक्ष रखी गईं, जिनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए।

विमलेश्वर महादेव मंदिर मार्ग बदहाल, श्रद्धालुओं की बढ़ी परेशानी

उत्तरकाशी। वरुणावत पर्वत के शीर्ष पर स्थित विमलेश्वर महादेव मंदिर तक पहुंचने वाला पैदल मार्ग बीते बरसात से क्षतिग्रस्त है। जगह–जगह भूस्खलन और मलबा आने से रास्ता खराब हो गया है। इससे मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग को पत्र भेजकर जल्द से रास्ते की मरम्मत और निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। नगर पालिका के पूर्व सभासद देवेंद्र चौहान ने बताया कि बारिश के दौरान मंदिर मार्ग के कई हिस्सों में नुकसान हुआ है। मार्ग पर मलबा जमा होने के साथ ही कई स्थानों पर रास्ता टूट गया है। इससे पैदल आवाजाही भी जोखिम भरी हो गई है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक परेशानी बुजुर्ग श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को

उठानी पड़ रही है। उन्होंने इस संबंध में वन विभाग को पत्र भेजकर मंदिर मार्ग की जल्द मरम्मत और निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। वहीं, वन क्षेत्राधिकारी मुकेश रतूड़ी ने बताया कि मंदिर मार्ग के निर्माण को लेकर प्रस्ताव मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मार्ग को बेहतर बनाने के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

भूलेख कंप्यूटर ऑपरेटर का पद रिक्त, नहीं निकल रही खतौनी

ज्योतिर्मठ। तहसील ज्योतिर्मठ में भूलेख कंप्यूटर ऑपरेटर का पद पिछले आठ माह से रिक्त होने के कारण लोगों को राजस्व संबंधी कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खाता–खतौनी की नकल प्राप्त करने से लेकर खतौनी में नाम दर्ज कराने जैसे जरूरी कार्य प्रभावित हो गए हैं। दूर–दराज के ग्रामीण बार–बार तहसील के चक्कर लगाने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। कमलेश, अनिल कुमार और सुनील का कहना है कि खाता–खतौनी की नकल समय पर न मिलने से बैंक ऋण, सरकारी योजनाओं और अन्य राजस्व कार्यों में देरी हो रही है। वही, खतौनी में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया भी लंबी खिंच रही है, जिससे आर्थिक और मानसिक परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। एसडीएम ज्योतिर्मठ चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि भूलेख कंप्यूटर ऑपरेटर की स्थायी नियुक्ति होने तक तहसील में जल्द अस्थायी कर्मचारी की व्यवस्था की जाएगी, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

बदरीनाथ के साथ माणा के भी दर्शनों के लिए पहुंचे श्रद्धालु

गोपेश्वर। बदरीनाथ धाम की तीर्थयात्रा भले ही अब धीमी पड़ गई हो लेकिन धाम पहुंचने वाले श्रद्धालु देश के प्रथम गांव माणा भी पहुंचरहे हैं। बदरीनाथ के दर्शन के बाद बड़ी संख्या में तीर्थयात्री माणा गांव पहुंचकर भीम पुल, व्यास गुफा, गणेश गुफा और सरस्वती नदी सहित अन्य धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों का आनंद ले रहे हैं।

पंजाब से आए श्रद्धालु आर्गन दीप सिंह ने बताया कि वह पहली बार परिवार के साथ बदरीनाथ धाम पहुंचे हैं। लंबे समय से देश के प्रथम गांव माणा को देखने की इच्छा थी जो अब पूरी हुई। वहीं गुजरात के दीपक ने कहा कि बदरीनाथ के दर्शन के साथ सरस्वती नदी और माणा गांव के पौराणिक स्थलों का दर्शन कर उनकी यात्रा यादगार बन गई। माणा गांव के पूर्व ग्राम प्रधान पीतांबर मोल्फा का कहना है कि श्रद्धालुओं की आवाजाही से गांव में रौनक बनी हुई है।

घरों में आ रहा दूषित पानी, गुस्साए उपभोक्ता पहुंचे तहसील

कर्णप्रयाग। बरसात में मटमैले पानी से लोगों को निजात नहीं मिल पा रही है। अभी तक कई घरों में मटमैले पानी की आपूर्ति हो रही है। इससे नाराज लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार से मुलाकात कर उन्हें दूषित पानी दिखाया। उन्होंने कहा कि मिट्टीयुक्त पानी उपयोग से बीमारी की आशंका बनी है। उन्होंने समस्या के समाधान की मांग की। विकासखंड के सिमली, टटासू, न्यू–डिम्मर में 70 से अधिक परिवार दूषित पानी का उपयोग करने के लिए मजबूर हैं। तहसील कार्यालय पहुंचे प्रधान विनीता देवी, पूर्व जिपंस देवेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि टटासू और न्यू डिम्मर गांवों को पूर्व में जलसंस्थान की लिफ्ट पंपिंग

योजना से जोड़ा गया था लेकिन बाद में हटा दिया गया। अब स्रोत से बनी पेयजल योजना के साथ गदेरे का मिट्टी युक्त पानी आ रहा है। ऐसे में लोग एक से दो किमी दूर सिमली बाजार में हैंडपंप से पानी भरने के लिए मजबूर हैं। देवेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि कर्णप्रयाग–नौटी सड़क का मलबा पुडियाणी गदेरे में डाला गया है। इससे सिमली, सेनू पेयजल योजना में मिट्टी युक्त पानी आ रहा है। ग्रामीणों ने तहसीलदार को दूषित पानी भी दिखाया। इसे देखकर तहसीलदार सुधा डोभाल ने भी कहा कि पानी पीने लायक नहीं है। उन्होंने पेयजल निगम और जलसंस्थान के अधिकारियों को फोन पर समस्या के समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान जयदीप गैरोला, बीएन डिमरी, रविंद्र खंडूड़ी, प्रकाश डिमरी, अनिल खंडूड़ी और संतोष आदि शामिल थे।

घर से लापता युवती मिली, प्रेमी संग रचाई शादी

थराली। घर से बिना बताए लापता हुई युवती (22) को थाना पुलिस ने सकुशल खोज निकाला। युवती ने अपनी मर्जी से शादी करने की बात कही जिसके बाद पुलिस ने उसके बालिग होने पर इच्छा अनुसार वैधानिक कार्रवाई कर उसे उसके पति के साथ भेज दिया। पुलिस के अनुसार 24 जुलाई को एक व्यक्ति ने अपनी पुत्री की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना थराली पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। ग्वालदम पुलिस के अनुसार टीम ने मोबाइल सीडीआर और स्थानीय सूत्रों की मदद से 26 जुलाई को युवती को खोज निकाला। पूछताछ में युवती ने स्पष्ट किया कि उसने अपनी स्वेच्छा से एक युवक के साथ विवाह कर लिया है और वह उसी के साथ रहना चाहती है।

ओपन डबल्स के फाइनल में पहुंचे विभोर–जतिन

उत्तरकाशी। नशे को ना, खेल और जिंदगी को हां अभियान के तहत स्व. सौरभ भट्ट की पुण्य जयंती पर सौरभ फाउंडेशन की ओर से आयोजित बैडमिंटन टूर्नामेंट सीजन 3 में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा। टूर्नामेंट के ओपन वर्ग के मुकाबलों में रोमांचक खेल देखने को मिले। इसमें ओपन डबल्स वर्ग में विभोर सेमवाल और जतिन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ फाउंडेशन के संरक्षक ब्रह्मचारी अनुज वर्मा और यूकेडी नेता किरन रावत ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। इसके बाद प्रतियोगिता के ओपन डबल्स वर्ग में विभोर सेमवाल और जतिन ने बेहतरीन तालमेल और शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। दोनों खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबले में अपने प्रतिद्वंद्वियों को 21–17, 21–18 के अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, बालिका सिंगल्स वर्ग का फाइनल मुकाबला स्वस्ति राणा और इशिका के बीच खेला जाएगा। दोनों खिलाड़ी खिताबी मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सौरभ फाउंडेशन के अध्यक्ष आकाश भट्ट ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना और उन्हें नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है।

मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर विभिन्न संगठनों ने खोला मोर्चा

नई टिहरी। जिला मुख्यालय नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू नहीं होने पर व्यापार मंडल, नागरिक मंच, उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच, रामलीला समिति, भू–भूमियाल जागृति मंच, भारत स्वाभिमान सहित राजनीतिक, सामाजिक संगठनों ने रोष जताया। उन्होंने जिला मुख्यालय के बजाए मेडिकल कॉलेज के लिए गजा तहसील के फिफल्टी में भूमि चयन की चर्चा पर कड़ी नाराजगी जताई।

सुमन पार्क में आयोजित विभिन्न संगठनों की बैठक में नागरिक मंच के संयोजक सीपी डबराल, अध्यक्ष सुंदर लाल उनियाल, भाजपा नेता जीतराम भट्ट ने कहा कि मेडिकल कॉलेज का निर्माण जिला मुख्यालय में होना चाहिए। पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत, राज्य आंदोलनकारी मंच के जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश भूषण गोदियाल, महिपाल नेगी, देवेंद्र नौडियाल ने कहा कि सरकार को जल्द ही मेडिकल कॉलेज निर्माण का शासनादेश जारी करना चाहिए।

कांग्रेस शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गंगा भगत नेगी ने कहा सरकार की हठधर्मिता के कारण लंबे समय से मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। व्यापार मंडल नई टिहरी के अध्यक्ष भगवान सिंह रावत, बौराड़ी अध्यक्ष शिवराज सजवाण ने कहा कि विस्थापित नई टिहरी में व्यापार पूरी तरह ठप है। इस दौरान जिला मुख्यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर संघर्ष समिति का गठन किया गया।

बुग्यालों को प्लास्टिक कचरे से बचाने की पहल

चमोली। देश के प्रथम गांव माणा से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल वसुधारा ट्रैक पर अब साफ–सफाई और संरक्षण की जिम्मेदारी माणा गांव की इको डेवलपमेंट कमेटी (ईडीसी) संभालेगी। नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क प्रशासन ने वन पंचायत माणा के अधीन आने वाले इस क्षेत्र में बढ़ते प्लास्टिक कचरे और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए ईडीसी के गठन का निर्णय लिया है। इस पहल से जहां ट्रैक पर स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी, वहीं स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

चारधाम यात्रा के दौरान हर वर्ष लाखों श्रद्धालु वसुधारा जलप्रपात देखने के लिए पहुंचते हैं, लेकिन ट्रैक पर पर्याप्त सफाई व्यवस्था न होने से प्लास्टिक की बोतलें, चिप्स के रैपर और अन्य कचरा जगह–जगह बिखरा रहता है। तेज हवा के कारण यह कचरा आसपास के बुग्यालों तक फैल जाता है, जिससे हिमालयी जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

तमिलनाडु के सीएम विजय देंगे सिल्वर मेडल

जीतने वाले वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी को 30 लाख नकद इनाम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी के लिए 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा की है। मुथुपांडी ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था। मुथुपांडी को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इनाम उनके शानदार प्रदर्शन के सम्मान में दिया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि मेडल जीतने की यह उपलब्धि राज्य भर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। मुथुपांडी ने कुल 286 किग्रा (126 किग्रा + 160 किग्रा) का भार उठाया। मुथुपांडी ने 125 किग्रा स्नैच के सफल प्रयास से शुरुआत की और फिर अपने दूसरे प्रयास में इसे बढ़ाकर 126 किग्रा कर दिया। वे अपने आखिरी प्रयास में 129 किग्रा का भार नहीं उठा पाए। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने सफलतापूर्वक 158 किग्रा और 160 किग्रा का भार उठाया, लेकिन अपने आखिरी प्रयास में 170 किग्रा उठाने में असफल रहे। इस प्रयास से उन्हें सिल्वर मेडल मिला। इस उपलब्धि को तमिलनाडु और भारत के लिए गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री विजय ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के जरिए युवा वेटलिफ्टर को बधाई दी। उन्होंने मुथुपांडी के प्रदर्शन को रिकॉर्ड बनाने वाली उपलब्धि बताया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके दृढ़ संकल्प की सराहना की। 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार एथलीट की सफलता को राज्य के सर्वोच्च खेल पुरस्कारों में से एक से सम्मानित करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुथुपांडी की उपलब्धि उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने और तमिलनाडु को और अधिक पहचान दिलाने के लिए प्रेरित करेगी। विजय ने कहा, मैं ग्लासगो में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर राजा मुथुपांडी को दिल से बधाई देता हूं। उनकी सफलता तमिलनाडु के लिए बहुत गर्व की बात है।

वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर

सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड टूटा, इस साल टी-20 में 86 छक्के लगाए

हरारे (एजेंसी)। भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए। हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं।

सूर्यवंशी ने पहला प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता: सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे।

सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय: सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने। सिएरा लिओन के एलुसिन तुरे इंटरनेशनल में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 15 साल 74 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था।

सूर्यवंशी की इंटरनेशनल में दूसरी फिफ्टी: सूर्यवंशी ने 16 साल की उम्र से पहले इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में दूसरी फिफ्टी लगाई। उनके अलावा नेपाल के कुशल मल्ला ने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50+ स्कोर बनाया था।

सूर्यवंशी इस साल सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय: सूर्यवंशी एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस साल सभी टी-20 मैच मिलाकर 86 छक्के लगाकर लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस मामले में अभिषेक शर्मा पहले स्थान हैं। उन्होंने 2025 में 108 छक्के लगाए थे।टी-20 में कम से कम 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में सूर्यवंशी का प्रति बॉल सिक्स औसत सबसे बेहतर है।

दो बार के ओलंपियन साजन ने प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

ग्लास्गो (एजेंसी)। दो बार के ओलंपियन भारतीय तैराक साजन प्रकाश ने सोमवार को यहां एक मिनट 58.59 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर) में दूसरे स्थान पर रहते हुए राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। स्कॉटलैंड के डंकन स्कॉट एक मिनट 58.29 सेकेंड के साथ समय के साथ शीर्ष पर रहे। साजन अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पीछे रहे। इस 31 वर्षीय भारतीय ने इसी साल सिंगापुर राष्ट्रीय आयु वर्ग तैराकी चैंपियनशिप में एक मिनट 57.09 सेकेंड का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप :

ईशा सिंह ने जीता गोल्ड, मनु भाकर को ब्रॉन्ज मेडल

हांगझू (चीन)(एजेंसी)। चीन के हांगझू में हो रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में भारतीय पिस्टल स्टार ईशा सिंह और मनु भाकर ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीते और प्रतियोगिता में भारत का शानदार सफर जारी रखा। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की प्रेस रिलीज के अनुसार ईशा ने फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 40 हिट के साथ गोल्ड मेडल पक्का किया, जबकि पेरिस 2024 में दो ओलंपिक मेडल जीतने वाली मनु भाकर ने कड़े मुकाबले का सामना करते हुए एक अहम शूट-ऑफ जीता और 28 हिट के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन राउंड में ही बेहतरीन शुरुआत की। मनु भाकर 586-203 के शानदार स्कोर के साथ क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में टॉप पर रहीं, जबकि ईशा सिंह 585-183 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और आसानी से फाइनल में जगह बनाई। एशियाई खेलों की पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट राही सरनोबत ने 582-163 का स्कोर किया, जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ (576-203) और अभिज्ञा अशोक पाटिल (573-163) ने रैंकिंग पॉइंट्स ओनली स्टेटस के तहत खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया।

इस सीजन की शुरुआत में म्यूनिख में वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड-तोड़ गोल्ड मेडल जीतने के बाद मानसिक दबाव से उबरने के बारे में बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, यह मैच मेरे लिए बहुत दबाव वाला था क्योंकि मेरे पास पहले से ही एक मेडल था। आप अपने इवेंट में जितना बेहतर करते हैं, आपको उतनी ही ज्यादा प्रतिष्ठा का बोझ महसूस होता है जिसे आपको पार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं आज इससे उबर पाई और शुक्रगुजार हूं कि मुझमें इसे सहने की क्षमता थी। मुझे हांगझू में मुकाबला करना बहुत पसंद है। एशियाई खेलों के दौरान हुए मुकाबले को याद करते हुए, जहां मैंने चार मेडल जीते थे, मैं यहां वापस आने के लिए बहुत उत्साहित थी। फाइनल हॉल में रेंज, लाइटिंग और माहौल से वाकिफ होना निश्चित रूप से मेरे पक्ष में रहा।

मैच के बाद अपने प्रदर्शन और आने वाले सीजन के लिए मोमेंटम बनाने के बारे में बात करते हुए मनु भाकर ने कहा, यह मेडल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक सीढ़ी की तरह काम करता है। इससे मुझे स्पष्टता मिलती है कि क्या काम कर रहा है और मैं किस दिशा में आगे बढ़ना चाहती हूं। मेडल निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ाता है, लेकिन इस प्रतिस्पर्धी मैच से मुझे जो अनुभव मिला है, वह वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियाई खेलों जैसे बड़े आयोजनों की तैयारी में और भी अधिक मददगार साबित होगा।

हैदराबाद की 21 वर्षीय ईशा सिंह के लिए गोल्ड मेडल करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ता है। इससे पहले इस सीजन में म्यूनिख में ढ्स्स्न्न वर्ल्ड कप में ईशा ने फाइनल में 43 हिट के साथ सीनियर और जूनियर दोनों वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रचा था। पेरिस 2024 ओलंपियन और अर्जुन अवार्डी, ईशा दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं।

मनु भाकर के लिए ब्रॉन्ज मेडल ग्लोबल स्टेज पर उनके शानदार प्रदर्शन को और मजबूत करता है, खासकर उनके ऐतिहासिक पेरिस 2024 ओलंपिक अभियान के बाद जहां वह खेलों के एक ही संस्करण में दो मेडल जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली एथलीट बनी थीं।

रन-अप में बदलाव का मिला फायदा, रवि बिश्नोई का जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में दमदार प्रदर्शन

हरारे (एजेंसी)। भारत के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से जीती गई टी20 सीरीज के बाद अपनी शानदार वापसी का राज बताया। बिश्नोई ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर हुई गलतियों के बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में अपनी रन-अप पर कड़ी मेहनत की और अब उसका सकारात्मक परिणाम मैदान पर देखने को मिल रहा है। जिम्बाब्वे दौरे पर बिश्नोई ने तीन विकेट झटके और भारत की क्लीन स्वीप में अहम भूमिका निभाई।

इंग्लैंड दौरे की गलती से लिया सबक

रवि बिश्नोई के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद निराशाजनक रहा था। मैनचेस्टर टी20 में उन्होंने तीन बैक-फुट नो-बॉल फेंकी थीं और 60 रन खर्च किए थे। उस मुकाबले के बाद उनकी गेंदबाजी और खासकर रन-अप को लेकर सवाल उठे। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पूर्व स्पिनर सैराज बहुतुले और सुनील जोशी की निगरानी में अपनी तकनीक पर काम किया।

गलतियां सुधारीं, अब नतीजे सामने हैं

सीरीज खत्म होने के बाद रवि बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी की कमियों पर मेहनत की और कोचिंग स्टाफ से लगातार मदद मिली।रवि बिश्नोई ने कहा, मैंने उन चीजों पर काम किया जिनमें सुधार की जरूरत थी, क्योंकि मेरी गेंदबाजी में कुछ गलतियां आ गई थीं। अब उन पर काम करने का फायदा मिल रहा है और उसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, कोचों ने मेरा काफी समर्थन किया और बताया कि मुझे किन पहलुओं पर काम करना है। मेरा रन-अप थोड़ा ज्यादा वाइड हो गया था, जो आमतौर पर नहीं होता, लेकिन दुर्भाग्य से इंग्लैंड वाले मैच में बार-बार ऐसा हुआ।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026

भारत को बड़ा झटका | राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुरिंदरवीर सिंह का 100 मीटर हीट में सफर समाप्त

ग्लास्को (एजेंसी)। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की सबसे बड़ी एथलेटिक्स पदक उम्मीदों में शामिल गुरिंदरवीर सिंह पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा के शुरुआती हीट से आगे नहीं बढ़ सके। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय धावक सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, जिससे भारत की एथलेटिक्स में पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

गुरिंदरवीर ने मई 2026 में रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर इतिहास रचा था। वह 10.10 सेकंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने थे। इस प्रदर्शन के बाद उनसे राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें थीं, लेकिन अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके।

अब हाई जंप पर टिकी भारत की नजर

गुरिंदरवीर के बाहर होने के बाद अब भारतीय एथलेटिक्स दल की उम्मीदें पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा पर टिकी हैं। फाइनल में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे, पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर और आदर्श राम ज्योति शंकर भारत की चुनौती पेश करेंगे। सर्वेश कुशारे हाल ही में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में तीसरा स्थान हासिल कर शानदार फॉर्म का भी परिचय दिया था।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पहुंचे थे ग्लास्गो

गुरिंदरवीर ने फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाते हुए अनिमेष कुजूर के एक दिन पहले बने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। इसी वजह से उन्हें ग्लास्गो में भारत के संभावित पदक विजेताओं में गिना जा रहा था।

10.39 सेकंड का समय भी नहीं दिला सका सेमीफाइनल का टिकट

100 मीटर हीट में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.39 सेकंड का समय निकाला। हालांकि यह प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सभी 11 हीट समाप्त होने के बाद गुरिंदरवीर 73 धावकों में 28वें स्थान पर रहे। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष 17 धावकों को जगह मिली। रिपोर्ट के अनुसार यदि गुरिंदरवीर 10.24 सेकंड का समय निकालते तो वह अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

सौम्य सरकार की 5 साल बाद वापसी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है। बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सौम्य सरकार को शामिल किया गया है। सौम्य आखिरी बार 2021 में टेस्ट फॉर्मेट में खेले थे। दूसरी तरफ, 2023 की डब्ल्यूटीसी चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही इस सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर चुकी है।

पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम

नजमुल हुसैन शंतो (कप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, अमीत हसन, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उप-कप्तान), तैजुल इस्लाम, तास्किन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, इबादत हुसैन चौधरी, मुश्फिक हसन।